53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

February, 2017 No. 01 Vol XXXXXIII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,119 शकसंवत् 1938
पौष-माघ 2073 दयानन्दाब्द 193 कलि संवत् 5118

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President
SITARAM PAREEK
MOB.: 09322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor
DR. SURESH CHANDRA GUPTA
MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General
AJAY DUTTA
MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary
OM PRAKASH KANOONGO
MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary
SACHINDANAND PANDA
MOB : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan
ATAM DEV
RESI : 011-27315696 (DELHI)

Sub-Editor
MANOJ AWASHTI
MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''स्वामी विवेकानन्द को रोमा रोला ने परमात्मा की अनुपम संगीत रचना, महर्षि अरविन्द ने Awakening soul of India और राम कृष्ण परमहंस ने बिना खोट का सिक्का कहा था।''

CONTENTS

1.	सम्पादकीय / संगठन के झरोखे से	4
2.	'ब्रह्मनाद' राष्ट्रीय अधिवेशन	5
3.	16वीं अखिल भारतीय भारत को जानो	6
4.	स्वास्थ्य	7
5.	बुलेट समाचार	12
6.	आओ जरा हंस लें	13
7.	संत परम्परा ने समाज समरसता बनाये रखी	14
8.	विविध गतिविधियाँ	15
9.	सामूहिक सरल विवाह	22
10.	Digital India--------	23
11.	गुरु शिष्य संवाद	24
12.	श्रद्धांजलि / नेत्रदान	26

विशेष :

1. शिष्य का पत्र मास्टर के नाम पृष्ठ ख्या-12
2. राष्ट्रीय अधिवेशन में पूर्व वायु सेनाध्यक्ष आर.सी. बाजपेयी का उद्बोधन, पृष्ठ संख्या-13
3. स्वामी जी के अमेरिका प्रवास की सफलता में....... पृष्ठ संख्या-25

फरवरी मास के पर्व

01 : वसंत पंचमी, सरस्वती पूजा, संत तुकाराम जयन्ती
10 : गुरु रविदास जयन्ती
19 : शिवाजी जयन्ती
21 : स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती
24 : महाशिवरात्रि
27 : चन्द्रशेखर आज़ाद शहादत
28 : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, रामाकृष्ण जयन्ती

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

....और इस तरह बीत गया 2016

परिषद् के नये संविधान के आधार पर रीजनल प्रारूप की स्वीकृति वर्ष 2016 में परिषद् की प्रगति का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। विशाल भौगालिक क्षेत्र, क्षेत्रीय विभिन्नताएँ, कार्यपद्धति में भिन्नता होते हुए भी रीजनल कार्यकर्ताओं की टीम का निर्माण हुआ। कुछ प्रारंभिक कठिनाईयों के साथ परिषद् का कारवा आगे बढ़ चला। क्षेत्रीय कार्यशालाओं में अभूतपूर्व उत्साह रीजनल बैठकों में लक्ष्य निर्धारण और प्रवास के कारण कार्य में उत्साह रहा। परिणाम भी प्रकट हुए। महिला कार्यशालाओं में महिला भागीदारी की उत्साहपूर्ण उपस्थिति इस का प्रमाण है। इस बढ़ते कारवां के चारचांद लगे नवम्बर में पूना के राष्ट्रीय समूहगान के आयोजन में। नवम्बर में केन्द्रीय कार्यालय में मीडिया सेल की स्थापना हुई। प्रान्तीय स्तर तक सम्पर्क के अभाव से राष्ट्रीय अधिवेशन 2016 की नवम्बर तक के पंजीकरण 1800 पर रूक गये। नोट बंदी को एक कारण बताया गया। सघन प्रयास शुरू किये गये। रीजन और प्रान्त की टीमों से सीधे वार्ता हुई। मीडिया सेल ने पूरी ताकत झोक दी। अजमेर की टीम का लक्ष्य 2500 पूरा करने का था। इतने ईमेल, फेसबुक, वीडियो कॉल, आखिर प्रत्यक्ष सम्पर्क का असर दिखाई पड़ा। कुल पंजीकरण 3816 हो गये। अजमेर की टीम को शाबाशी। व्यवस्था की दृष्टि से लगभग 20-25 कार्यकर्ता अजमेर के बाहर से आकर भी काम में जुटे। परिषद् की यात्रा में यह परिवर्तन मील का पत्थर साबित होगा।

राजनैतिक परिदृश्य पर नवम्बर की नोट बंदी की घोषणा एक बड़ी घटना थी। पिछले दो वर्षो का सरकारी काम काज और प्रधानमंत्री जी की स्वीकार्यता को आम जनता ने हाथो हाथ लिया। नेता विरोध करने पर तुले रहे। जनता समर्थन देने पर तुली रहा। मीडिया कभी समर्थन और विरोध को दिखाकर अपनी गति से चलता रहा। निश्चय ही सरकार का यह कदम भारत के आर्थिक विकास की नई इवारत तो लिखेगा ही। अच्छे कार्यो के लिए सामान्य जन की सहनशीलता, असुविधाओं के प्रति उपेक्षा और सरकारी समर्थन की इवारत भी लिखेगा। लोकतंत्र का एक प्रमुख स्तम्भ है सशक्त विरोध पक्ष। मुद्दों का अभाव विरोध पक्ष को बेमानी कर गया। इसलिए सर्वोच्चन्यायालय को संसद के लगातार गतिरोध पर टिप्पणी करनी पड़ी। 2016 के समापन ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत जाग रहा है, खड़ा हो रहा है और संसार का नेतृत्व करने की क्षमता से सुसज्जित हो रहा है।

आइये 2016 को विदा करते समय 2017 की नई आशाओं, विश्वास के साथ जागृत नागरिक की भूमिका निभाने में जुट जाए।

- S.C.Gupta

संगठन के झरोखे से

नये संविधान को लागू हुए एक वर्ष पूरा होने को है। परिषद् की गति, प्रगति, उपलब्धियों और अपूर्ण कार्यो के बारे में चिन्तन का समय भी है। रीजनल स्तर पर कार्यशालाएँ, काउन्सिल बैठकें, महिला सम्मेलन, भारत को जानो और समूहगान में भागीदारी तथा राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता का श्रेय प्रान्तीय नेतृत्व की सक्रियता, रीजनल दायित्वधारियों के परामर्श और केन्द्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन को जाता है।

मणिपुर, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश की धरती पर परिषद् ने कदम रखे हैं शाखाओं के साथ प्रकल्प भी चलने लगे हैं।

पिछले वर्ष वर्षा जल संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, नेत्रदान रक्तदान के बारे में नई घोषणाएँ की गई थी। अधिकांश शाखाओं ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर बड़ी गोष्ठियाँ की। जल संरक्षण की गोष्ठियाँ, जल पुनर्भरण, वृक्षारोपण के कार्यक्रम भी सम्पन्न हुए। उत्तराखण्ड (रुड़की), हस्तिनापुर (मेरठ) तेलंगाना (हैदराबाद) में बड़े सेमिनार चर्चा का विषय रहे। सरल विवाह कार्यक्रमों ने समाजिक समरसता का संदेश दिया। दिल्ली में विकलांग जोड़ों का विवाह, बड़ौत में 14 जोड़ो का तथा नोएडा में 72 जोड़ों का विवाह बड़ी धूमधाम से सम्पन्न हुए।

मदनगंज किशनगढ़ की नेत्रदान के समाचार, उत्तराखण्ड की नेत्रदान कार्यकर्ता नेहा मलिक और हस्तिनापुर प्रान्त के विकास रत्न डॉ. राजेन्द्र कुमार गुप्ता ने नेत्रदान में अहम भूमिका निभाई। सभी बड़े नगरों में नेत्रदान प्रकल्प टीम को सक्रिय करने की आवश्यकता है। अगले वर्ष स्थापना दिवस पर एक दिन में अधिकतम रक्तदान यूनिट का रिकार्ड बनाने की योजना केन्द्र के विचाराधीन है।

मीडीया सेवाओं का विस्तार सभी प्रान्तों से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग द्वारा विमर्श का कार्य मार्च से प्रारंभ हो सकेगा। सभी प्रान्तीय लेटर पैड पर प्रान्त का ई-मेल अवश्य लिखा जाए। सोशल साइट नेटवर्किंग के विशेषज्ञों का सहयोग अवश्य लें।

परिषद् के प्रान्तीय चुनाओं की अधिसूचनाएँ जारी हो गई है। रीजनल स्तर पर समान फारमेंट पर चुनाव परिणाम की सूचना भेजे।

'ब्रह्मनाद' राष्ट्रीय अधिवेशन

अजमेर (राजस्थान) दिसम्बर 24-25, 2016 - अजमेर के आजाद पार्क प्रथम सत्र में स्वस्तिवाचन, ध्वजारोहण और शंखनाद के साथ शुरू हुआ परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन ब्रह्मनाद। पूर्व वायुसेना प्रमुख आर.सी. वाजपेयी, उच्च शिक्षा मंत्री श्री वासुदेव देवनानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम पारीक, राष्ट्रीय महामंत्री अजय दत्ता, राष्ट्रीय वित्त मंत्री ओम प्रकाश कानूनगो के साथ अधिवेशन चेयरमैन मालचन्द गर्ग, प्रान्तीय अध्यक्ष दिनेश कोगटा, प्रान्तीय महासचिव कैलाश अजमेरा, कोषाध्यक्ष पारसमल ने मंच की शोभा बढ़ाई।

प्रान्तीय अध्यक्ष के स्वागत एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम पारीक ने 28वां राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारम्भ किया। श्री वासुदेव देवनानी ने परिषद् के बेटी बचाओ, स्वच्छ भारत अभियान, भारत को जानो, राष्ट्रीय समूहगान, गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रमों की सराहना की। देश के 26 राज्यों से 3816 प्रतिनिधियों की उपस्थिति, प्रतिनिधियों की रंग विरंगी वेष भूषा, विभिन्न स्टालों पर आकर्षक सामग्री से युक्त विशाल शरद स्मृति सभागार मानो एक लघु भारत का साक्षी बन गया। मुख्य अतिथि पूर्व वायु सेना अध्यक्ष आर.सी. वाजपेयी ने कहा कि देशभक्ति का प्रारंभ अपने घर से होता है। ढुलमुल विदेश नीति के कारण भारत की छवि को आघात लगा है। पूर्व शासन की नीतियों के कारण साम्प्रदायिक सौहार्द भी बिगड़ा है।

द्वितीय व तृतीय सत्र में आख्या प्रस्तुति एवं सटीक नुक्कड़ नाटक, पानी बचाओ, स्वच्दता अभियान, शौचालय निर्माण का संदेश देने में सफल रहा। तत्पश्चात वैचारिक अधिष्ठान एवं समरसता की प्रेरणा देने वाला गम्भीर एवं प्रभावी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ - संघ के सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी के द्वारा। भाषण के संकलित अंश अलग से प्रकाशित है। परिषद् के राष्ट्रीय परिदृश्य की समीक्षा करने तथा संगठन की प्रगति का एक विश्लेषणात्मक दर्शन प्राप्त हुआ रीजनल संयुक्त महामंत्री विनीत गर्ग, डॉ. आर. बी.श्रीवास्तव, जी.पी.सिंह, अरुण डागा, डी.बी.चितेले तथा रमेश जैन के द्वारा।

चतुर्थ सत्र में राष्ट्रीय प्रकल्पों की आख्या प्रस्तुत की गई। सेवा क्षेत्र के लिए यशपाल गुप्ता, सम्पर्क के लिए जीवनराम गुप्ता, डॉ. तरुण शर्मा (भारत को जानो), डॉ. शुभकरण जैन (समूहगान), अशोक जाधव (समग्र ग्राम), प्रो. अविनाश शर्मा (महिला एवं बाल विकास), महेश शर्मा (प्रकाशन) ने प्रकल्पों की स्थिति, मूल्यांकन एवं प्रगति की चर्चा की। देर शाम श्री दिलीप पारीक के आकर्षक संचालन में कत्थक नृत्य शैली, कत्थक कला केन्द्र की अन्तर्राष्ट्रीय नृत्यांगना की मनमोहक प्रस्तुति ने प्रतिनिधियों का भरपूर मनोरंजन किया।

दूसरे दिन का शुभारम्भ हुआ परिषद् के अति महत्पूर्ण स्वास्थ्य प्रकल्पों की आख्या सें कोटा के भारत विकास परिषद् चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र की प्रगति गाथा को आकड़ो तथा विश्लेषण के द्वारा प्रस्तुत किया श्याम शर्मा ने। चण्डीगढ़ के भारत विकास डायग्नोस्टिक सेन्टर की आख्या डॉ. शीमा जोशी ने प्रस्तुत की। विकलांग पुनर्वास केन्द्र लुधियाना की आख्या नीलम गुप्ता के द्वारा प्रस्तुत की गई। जोधपुर हॉस्पिटल सेवा पटल के बारे श्री सीताराम राठी जी ने तथा हैदराबाद विकलांग केन्द्र की आख्या आर.सी.जैन, पटना के संजय आनन्द विकलांग एवं पुनर्वास केन्द्र श्री उदय चन्द्र गुप्ता के द्वारा प्रस्तुत की गई। देश में सेवा के आयामों की जानकारी प्रतिनिधियों के लिए चर्चा का विषय रहा।

समापन समारोह में सदस्यता की शत प्रतिशत वृद्धि, नवीन विकास रत्नों का सम्मान तथा अधिवेशन को स्थानीय समितियों के कार्यकर्त्ताओं के सम्मान से सभागार गूंज उठा। समापन भाषण के लिए क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमान सिंह जी का ओजस्वी उद्बोधन प्रतिनिधियों के लिए प्रेरणादायी रहा। समापन भाषण के सम्पादित अंश अलग से प्रकाशित किया जा रहा है। एन. दौलत राव द्वारा स्थानीय व्यवस्थओ के लिए केन्द्र की ओर से धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान तथा ध्वजावरण से अधिवेशन सम्पन्न हुआ।

श्री सुरेश जैन जी परिषद् के राष्ट्रीय समन्वयक बने।

वरिष्ठ प्रचारक तथा दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह कर चुके श्री सुरेश जैन जी को भारत विकास परिषद् ने राष्ट्रीय समन्वयक मनोनित किया है। श्री जैन जी के अनुभव विशेष रूप से युवा वर्ग को जोड़ने में उपयोगी होगें। कुछ समय में ही देश के मणिपुर, नागालैण्ड, अरुणांचल तथा असम, तमिलनाडु में नई शाखाओं की स्थापना उनके प्रयास से हुई है। परिषद् परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामना। - सम्पादक

16वीं अखिल भारतीय भारत को जानो

16वीं अखिल भारतीय भारत को जानो प्रतियोगिता राजस्थान उत्तर प्रान्त के आतिथ्य में श्रीगंगानगर में 30 दिसम्बर, 2016 – 1 जनवरी, 2017 को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई जिसमें 51 प्रान्तों से कनिष्ठ वर्ग में 47 व वरिष्ठ वर्ग में 51 कुल 98 टीमों की सहभागिता रही। प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग से हस्तिनापुर प्रान्त के चितवन गोयल और श्वेत कुमार व वरिष्ठ वर्ग में विन्ध्य प्रान्त (म०प्र०) के काजल सिंह कुशवाहा एवं अनुराग शुक्ला विजयी रहे। प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए बी. एस.एफ के उप-महानिरीक्षक श्री बी.एस.बाजवा ने युवाओं के नैतिक विकास और जागरूकता के ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बी.एस.एफ. के जवानों के उत्साह के लिए देशवासियों के भावनात्मक समर्थन का उल्लेख किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने युवा संस्कार के लिए इस प्रतियोगिता के महत्व को रेखांकित किया। राष्ट्रीय चेयरमेन प्रकल्प श्री नीरज गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. तरुण शर्मा की टीम ने प्रतियोगिता का संचालन किया। श्री भारत भूषण जुनेजा, श्री राकेश सचदेवा, निर्मल जोशी, संदीप वाट्स ने क्विज का संचालन तथा तकनीकी सहायता की।

फाइनल राउण्ड में क्षेत्र प्रचारक श्री दुर्गादास जी का ओजस्वी एवं सारगर्भित उद्बोधन प्रतिभागियों को उत्साहित कर गया। प्रतियोगिता में संकेत चक्र, दृश्य श्रव्य चक्र, सम-सामयिक घटना क्रम के साथ धर्म, संस्कृति, विज्ञान, इतिहास, महापुरुषों के राउण्ड सम्मिलित रहे। इस वर्ष स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रें के लिए पंजाब दक्षिण, हरियाणा पश्चिम, ब्रज प्रदेश, राजस्थान पश्चिम के विद्यार्थियों में ऑनलाइन प्रतियोगिता के फाइनल राउण्ड में दयालबाग इंजीनियरिंग कॉलेज, आगरा के श्रेष्ठ वर्धन प्रथम तथा राजस्थान कॉलेज, जयपुर के श्री सुखदेव द्वितीय रहे। संलाचन में रामराज अर्स, संजय दुआ, सुमन कान्त, श्रीमती डिम्बल जुनेजा, कीर्ति शर्मा का सहयोग रहा।

समापन सत्र में सांसद नारायण लाल पंचारिया ने कहा कि युवा वर्ग के लिए देश की एकात्मता की नीव को मजबूत करने वालों के लिए परिषद् का यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख श्री कैलाश चन्द्र ने भारत के प्राचीन गोरव व श्रेष्ठताओं को रेखांकित करते हुए इनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मंच पर इतिहास संकलन समिति के डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय, समाजसेवी श्री विक्रम चितलांगिया उपस्थित रहे। आयोजन समिति में प्रान्तीय अध्यक्ष नृत्य गोपाल मित्तल, महासचिव विनोद आढ़ा, नरेन्द्र चांगिया, राजन शर्मा ने प्रतियोगिता के व्यवस्थाओं को पूर्णता प्रदान की। अतिथियों की स्वागत समिति के प्रभारी शिव शंकर मित्तल संरक्षक के कुशल निर्देशन में प्रतियोगिता को पूर्णत: स्वच्छता आधारित तथा पोलिथिन मुक्त रखने में सहयोग रहां संचालन श्री शशि कुमार भूतड़ ने किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पी.के.जैन, चेयरमैन श्री नीरज गुप्ता ने व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

अन्तिम परिणाम इस प्रकार रहे:-

	कनिष्ठ वर्ग		वरिष्ठ वर्ग	
स्थान	**प्रान्त व विद्यालय**	**प्रतिभागी**	**प्रान्त व विद्यालय**	**प्रतिभागी**
प्रथम	**हस्तिनापुर** एम.जी. पब्लिक स्कूल, मुज़फ्फरनगर	1. चितवन गोयल 2. श्वेत कुमार	**विन्ध्य प्रान्त** सैण्ट मिशेल सीनियर सेकेण्डरी, स्कूल, सतना	1. काजल सिंह कुशवाह 2. अनुराग शुक्ला
द्वितीय	**ब्रज प्रदेश** सैण्ट एण्ड्रयूज पब्लिक स्कूल, आगरा	1. सुनिधि वशिष्ठ 2. खुशवन्त गौतम	**असम** महर्षि विद्या मंदिर, गुवाहाटी	1. सत्यरंजन बिस्वाल 2. शुभाजीत डे
तृतीय	**हरियाणा दक्षिण** डी.ए.वी.एम. स्कूल, सोनीपत	1. लक्ष्य सूरा 2. गोकुल बंसल	**हरियाणा पश्चिम** शारदा सीनियर सेकेण्डरी, स्कूल, फतेहाबाद	1. संयम 2. मयूर

आज़ाद उदयपुर, राजस्थान दक्षिण : शाखा द्वारा विशाल चिकित्सा शिविर मावली सालेरा खुर्द गाँव में आयोजित किया गया। श्री गुलाब जी कटारिया, चन्द्र प्रकाश जोशी, दलीप चन्द्र डांगी शिविर में उपस्थित रहे। 700 मरीजों का परीक्षण किया गया। शिविर में डॉक्टरों ने परिश्रम से सभी मरीजों का उपचार किया।

भामाशाह-उदयपुर : 'कम खनिज/टी.डी.एस. युक्त पेयजल के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव' विषय पर जल शोधन के अनुभवी इंजीनियर अनिल वर्डिया की वार्ता एम.डी. स्कूल के सभागर में आयोजित की गई। उन्होंने अताया कि बहता पानी सबसे अच्छा होता है। आवश्यक खनिजों के साथ 250-300 टी.डी.एस. का पेयजल को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सही माना है। आर.ओ. उपकरण से जल परिष्कृत कर हम जल की खनिजीय गुणवत्ता घटा देते हैं जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है। अपने वक्तव्य में कहा कि आर.ओ. उपकरण का प्रयोग 'टी.डी.एस. का एडजस्ट के साथ करना चाहिए। परिषद् के रीजलन सचिव डॉ. एम.जी. वार्ष्णेय ने ज्ञानवर्धक वार्ता हेतु अनिल वर्डिया तथा ऐसे आयोजन हेतु येवन्ती कुमार बोलिया को आभार व्यक्त किया।

मेवाड़-उदयपुर: शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन 9 दिसम्बर, 2016 को दुर्गा नर्सरी रोड पर किया गया। सदस्यों की सहभागिता से कुल 35 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम स्थानीय एच.डी.एफ.सी. बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ। शाखा प्रबन्धक श्री नारंग, आलेक शुक्ला, उत्तम विजयवर्गीय तथा ओम प्रकाश गुप्ता की विशेष भूमिका रही।

रावतभाटा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा भारत विकास परिषद् चिकित्सालय कोटा तथा सेवा भारती, रावतभाटा के सहयोग से विशाल नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण नेत्र शल्य चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया गया। ओपीडी में 588 रोगियों की नेत्र जांच कर 172 ऑपरेशन किए गए। 11 रोगी की आँखों में नाखुना पाया गया जिन्हें परिषद् की कोटा चिकित्सालय भेजकर ऑपरेशन कराया गया।

कम्प्यूटर जनित रोगों का योग द्वारा उपचार

कम्प्यूटर के अत्यधिक उपयोग से होने वाले रोगों में कंधों के जकड़ जाने से होने वाला असह्य दर्द, एपीकोन्डाइलाइटिस तथा हथेली में, मांसपेशियों में सूजन वाली कोशिकाओं पर अधिक दवाब से स्नायु का निष्क्रिय हो जाना प्रमुख है। इनके प्रमुख शिकार, शेयर दलाल, सी.ए.मैनेजमेंट अधिकारी तथा वकील पत्रकार प्रमुख हैं ये लोग अपनी नजरे स्क्रीन पर तथा हाथ की बोर्ड पर ही रखे रहते हैं।

इसी श्रेणी में रिपिटेटिव स्ट्रेस इन्जूरीस एक घातक रोग है जो मनुष्य को अपंग बना देता है। यह रोग एक सा काम करने वाले लोगों को होता है जो निश्चित अंगो को अत्यधिक उपयोग करते हैं। इसमें अपंग की स्थिति ऐसी हो जाती है कि ऊंगली, कलाई और कंधे की मांसपेशियों में अत्यधिक पीड़ा होती है।

कम्प्यूटर जनित रोगों के उपचार के लिए यदि योग विज्ञान की कुछ क्रियाओं को अपनाया जाए तो इन रोगों के घातक प्रभाव को रोका जा सकता है। अष्टांग योग के आसन, प्राणायाम मुद्रा, ध्यान आदि के लाभ सर्व विदित है। ये मांसपेशियों को प्रभावित करते हैं तथा संक्षम जैव रसायन के स्रवण तथा प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अष्टांग योग में महत्वपूर्ण आसनों का समन्वय है जो समूचे कायातन्त्र को प्रभावित करता है। साथ ही प्राणायाम का अभ्यास प्राण शक्ति को धारण कर स्वयं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण क्रिया है। योगासन नस नाड़ियों पर गहरा प्रभाव डालते हैं और शरीर, मन को शुद्ध रखते हैं मानसिक तनाव के लिए शवासन का विशेष महत्व ह। त्राटक योग, निद्रा से संचित वासनाओं और दमित इच्छाओं को नष्ट किया जा सकता है। चक्षु प्रक्षालन तथा व्यायाम से कम्प्यूटर जनित रोगों को समाप्त किया जा सकता है। - महेन्द्र पाल।

छीपाबडोद : शाखा ने 78वां नेत्र जांच शिविर सम्पन्न कराया। सत्गुरु संकल्प नेत्र चिकित्सालय अनंतपुर के चिकित्सकों की टीम द्वारा 1040 मरीजों की नेत्र जांच कर दवाईयाँ वितरित की गई। 360 रोगियों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु चिकितसालय रेफर

किया गया।

सुमेरपुर-शिवगंज, राजस्थान पश्चिम : 26 दिसम्बर, 2016 को पोसालिया में नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें 620 रोगियों की डॉ. रौनक शाह व टीम ने नेत्र जांच की। 244 को चश्मे प्रदान किए गए। 76 को मोतियाबिन्द ऑपरेशन का चयन कर ग्लोबल हॉस्पिटल, आबू रोड लेजाकर ऑपरेशन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक ओटाराम देवसी तथा उपखण्ड अधिकारी शक्ति सिंह ने परिषद् के कार्यों की सराहना की।

बाड़मेर : शाखा द्वारा जन सेवा समिति के तत्वावधान में 427 मरीजों की नेत्र जांच सम्पन्न की गई। नेत्र ज्योति चिकित्सालय द्वारा 211 कालापानी मोतियाबिन्द के ऑपरेशन किये गये। उपखण्डाधिकारी चेतन त्रिपाठी ने चश्मा तथा दवाई का वितरण किया। शिविर श्री जगदीश पूगलिया के सौजन्य से किया गया। केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन मेघवाल ने राजस्थानी भाषा की मान्यता की वकालत की तथा राजकीय चिकित्सालय के लिए दो डीप फ्रिज देने की प्रशंसा की।

सुभाष की सज्जनता

संक्रामक रोग फैलने पर बंगाल में सुभाष चन्द्र बोस की अध्यक्षता में एक सेवा दल का गठन हुआ। दल के सदस्य रोगियों के घर पर जातें सेवा करते, दवाईयाँ देते। रोग से बचने के नियम बतातें उस क्षेत्र में हैदर नाम का एक गुंडा रहता था। उसे कोई अच्छा कार्य पसंद नहीं था। अपने कुकृत्यों के कारण वह कई बार जेल भी गया था। सेवा दल के सदस्यों के खिलाफ भी वह षडयंत्र रचता रहता था। सुभाष बाबू को जब यह पता चला तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया न करने का निर्देश दिया और कहा कि देखना हैदर एक दिन अपना अच्छा सहायक बनेगा।

एक दिन हैदर का लड़का बीमार हो गया। कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं था। सभी डॉक्टर पहले से ही रोगियों की सेवा में व्यस्त थे। हैदर निराश होकर घर लौटा तो यह देखकर चकित रह गया कि सेवा दल के लोग उपचार करने में लगे थे।

उसने पूछा आप मेरे घर क्यों आये। आपको पता है कि मैं आपका घोर शत्रु हूँ। सदस्य बोले यह हमारा धर्म है भाई। हम नहीं आते तो इस बालक का जीवन खतरे में पड़ जाता। आपकी शत्रुतता हमसे होगी। आपका लड़का तो बेगुनाह है। सेवा तो किसी में भेद नहीं करती। हैदर का सारा कलुष आँखों में आ गया। उसने आँसू पोछते हुए कहा मेरे बच्चों मुझे क्षमा कर दो। आगे चल कर वह भी सेवा दल में शामिल हो गयां सज्जनों के लिए कोई शत्रु नहीं होता परहित में वे मित्र और शत्रु से कोई पक्षपात करते।

जहाजपुर-भीलवाड़ा, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा दिव्यांग सहायता कैम्प में रामशंकर लाल काबरा के सहयोग से 51 दिव्यांगों का पंजीकरण तथा 34 लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान किये गये। पुलिस अधीक्षक विजयपाल सिंह ने शिविर की तारीफ की। गोविन्द सोडानी, देवराज सुलतानिया तथा अध्यक्ष मोहन सिंह ने शिविर की व्यवस्था की। दिव्यागों ने कृत्रिम हाथ लगने के बाद अतिथियों से हाथ मिलाये।

वजीरपुर, राजस्थान पूर्व : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। श्री मुकेश कुमार जैमन पुलिस अधिकारी ने अध्यक्षता तथा डॉ. आर.के.मीना सी.एच.सी. प्रभारी मुख्य अतिथि रहे। सवाई मान सिंह हॉस्पिटल जयपुर के डॉक्टरों की टीम ने रक्तदान शिविर सम्पन्न कराया। कुल 44 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदाताओं को पोष्टिक आहार दिया गया।

योज्ञा-गाजियाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : नवगठित शाखा द्वारा तीसरा नेत्र जांच शिविर विजयनगर गाजियाबाद में सम्पन्न कराया गया। शिविर में लगभग 350 मरीजों की नेत्र जांच हुई, 164 चश्मों का वितरण हुआ तथा 7 लोगों का चयन मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु किया गया, जिन्हें नोएडा आई केयर हॉस्पिटल सैक्टर-26 नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु रेफर किया गया। इस अवसर पर विनीत त्यागी, अध्यक्ष, मनोज गौत्तत, सचिव मंजू सेनी महिला संयोजिका, योगेश त्यागी, संरक्षक तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिकन्द्राबाद : स्थानीय अग्रसेन इण्टर कॉलेज में आयोजित रक्तदान शिविर में उप-जिलाधिकारी श्री कन्हई सिंह सहित 56 लोगों ने रक्तदान कियां नोएडा ब्लड बैंक ने रक्तदान लिया। कुल 62 यूनिट रक्तदान हुआ।महिला सदस्यों तथा सिख परिवारों के सहयोग से गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस सम्पन्न हुआ। शबद कीर्तन के बाद सचिव ने गुरु जी के बलिदान के प्रसंग सुनाए। गुरु चरण सिंह, राजेन्द्र सिंह, राजा रिक्की सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहें प्राथमिक विद्यालय में गरीब विद्यार्थियों को जूता वितरण किया गया।

नेत्र ज्योति-फिरोजाबाद, ब्रज प्रदेश : शाखा ने 10000 नेत्र ऑपरेशन पूरे किये। शाखा प्रतिमास नियमित रूप से 28 तारीख को नेत्र परीक्षण व नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित कर इस आयाम तक पहुँचाया है। शाखा 33200 मरीजों की नेत्र जांच तथा 9100

मरीजों के ऑपरेशन पूरे किये जा चुके हैं। 28 दिसम्बर, 2016 को शाखा नेत्रों के 10,000 ऑपरेशन पूरे करने का उत्सव मनाया।

किदवईनगर, कानपुर, ब्रह्मावर्त : स्थानीय महाराजा अग्रसेन भवन नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रीय संरक्षक रामशरण श्रीवास्तव एवं प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा किया गया। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग शिविर से लाभाविन्त हुए। के. के. दिवेदी, शाखा सचिव ने बताया कि डॉ. हेमन्त श्रीवास्तव, नेत्र विशेषज्ञ ने 25 लोगों को मातियाबिन्द ऑपरेशन के लिए नेत्र चिकित्सालय भेजा।

गोविन्द कानपुर : शाखा द्वारा गोविन्द नगर में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्य में जिला अन्धता निवारण समिति, कानपुर का सहयोग रहा। डॉ. जवाहर लाल रोहतगी स्मारक नेत्र, चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञों द्वारा 75 मरीजों के नेत्रों की जांच नि:शुल्क की गई। 12 मोतियाबिन्द ऑपरेशन योग्य पाए मरीजों को नेत्र चिकित्सालय भेजा गया। शिविर के सफल आयोजन में महेश चन्द्र, हरीश बजाज, मोनिका कपूर, सत्यदेव सिंह आदि का विशेष सहयोग रहा।

विवेक मुज़फ्फरनगर, हस्तिनापुर : शाखा के बहु चिकित्सा शिविर का उद्घाटन डी.के.सिंह जिलाधिकारी, बबलू कुमार पुलिस अधीक्षक ने किया। डॉ. गाबिल हसन, एम.एल.गर्ग, शैलेन्द्र गुप्ता, शोभित मिश्रा, बैकुंठ अग्रवाल की चिकित्सक टीम ने परीक्षण किये। 12 मरीजों को नेत्र ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। यातायात माह पर प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित हुए। नबरव अजमत अली खाँ गर्ल्स कॉलेज में यातायात गोष्ठी सम्पन्न हुई। प्रधानाचार्य सोफिया बेगम, डॉ. अनीता अग्रवाल तथा निधीष गर्ग ने यातायात नियमों की जानकारी दी। प्रान्त स्तरीय भारत को जानो में गर्ल्स कॉलेज की टीम विजयी रही।

मानव दु:ख

हिमालय पर एक संत कुटिया में रहते थें उनकी प्रसिद्धि इतनी थी कि उनके दर्शनों के लिए लोग नदियाँ-घाटियाँ पार करके चले आते। लोगों का मानना था कि वे हर दु:ख-तकलीफ से उन्हें मुक्ति दिला सकते हैं जबकि संत नहीं चाहते थे कि उनकी एकान्त साधना भंग हो। एक बार तीन दिन तक संत अपनी कुटिया से बाहर नहीं निकले। तीन दिन में दु:खों से मुक्ति पाने वालों की भारी भीड़ लग गई। जब वहाँ किसी और के आने की जगह नहीं बची, तब संत बाहर निकले। उन्होंने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा-मुझे पता है आप लोग अपने कष्टों, समस्याओं को दूर कराने मेरे पास आए हैं आज आखिरी बार मैं आप लोगों के कष्ट दूर करने का उपाय बता रहा हूँ, इसके बाद नहीं बताऊँगा। अब मुझे एक-एक करके अपनी समस्याएँ बतायें।

सभी एक साथ बोलने लगे क्योंकि सभी जानते थे कि संत से संवाद का यह अन्तिम अवसर था। शोरगुल होने लगा। महात्मा चिल्लाकर बोले-आप लोग शान्त हो जाइए। सभी अपने-अपने कष्ट एक पर्चे पर लिखकर मेरे समाने रख दीजिए। सभी ने एक-एक पर्चे पर अपनी समस्या लिख दी। संत ने एक टोकरी में सारे पर्चो को डालकर उन्हें मिला दिया और कहा-हर व्यक्ति इसमें से एक पर्चा उठाये, उसे पढ़े और किसी दूसरे का दु:ख अपने दु:ख की जगह ले ले।

सभी व्यकितयों ने टोकरी से पर्चे उठाकर पढ़े और चिन्ता में पड़ गये क्योंकि सबके दु:ख एक से बढ़कर एक थे। आखिरकार वे इस नतीजे पर पहुँचे कि बेशक उनके पास दु:ख है, पर लोगों के पास तो उनसे भी ज्यादा दु:ख-तकलीफें हैं आखिरकार सभी ने अपने-अपने दु:ख को ही स्वीकार किया, लेकिन अब उन्हें अपने दु:ख का प्रभाव कम लग रहा था।

मंजरी मुज़फ्फरनगर : शाखा द्वारा नेत्र परीक्षण में मरीजों की जांच डॉ. सपना गर्ग (स्त्री रोग), शोभित मिश्रा (दन्त रोग) ने परीक्षण किया। नीरज गौतम की अध्यक्षता में नवरात्रि पर्व मनाया गया। इसमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, डांडिया किया गयां 21 कन्याओं का पूजन किया गयां दीपावली मिलन पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुएं आतिशबाजी, फूलझड़ी तथा मिष्ठान खिलाये गये। सचिव रजनी चौधरी ने आयोजन सम्पन्न किये।

समृद्धि मुजफ्फरनगर : बहुचिकित्सीय जांच शिविर साकेत मुजफ्फरनगर में लगाया गयां नेत्र, दन्त, रक्त जांच, फिजियोथेरेपी व होम्योपैथिक व्यवस्था रही। सरस्वती शिशु मंदिर कनिष्ठ उच्च विद्यालय के लगभग 395 बच्चे लाभान्वित हुए। डॉ. प्रवेश कुमार के विशेष योगदान के साथ-साथ मनोज सेठी, शाखा अध्यक्ष, मनोज गुप्ता, सुरेश नाथ मित्तल, विवेक शर्मा आदि का सहयोग रहा।

भगत सिंह रोहतक, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा दन्त जांच शिविर का आयोजन वैश्य बॉयज सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में किया गया। 1500 बच्चों का परीक्षण हुआ। कभी पाये जाने पर जांच का कार्ड बनाया गया। दन्त परीक्षण को प्रोजेक्टर से दिखाया गया। नवीन जैन और राजीव बंसल ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। अध्यक्ष नरेश जैन, सचिव रामचरन सिंगला मौजूद रहे।

घरौंडा, हरियाणा उत्तर : शाखा द्वारा नि:शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर लगाया गया। विर्क हॉस्पिटल करनाल से डॉ. अमनप्रीत सिंह की टीम ने सेवाएँ दी। 120 मरीजो का स्वास्थ्य लाभ हुआ। दवा तथा फिजियोथेरेपी फ्री रही। मैनेजर दर्शन चावला ने शिविर की तारीफ की। अध्यक्ष धीरज भाटिया के साथ सदस्यों ने सेवा की। शाखा द्वारा जर्सी वितरण किया गया।

दृष्टिकोण का अन्तर

एक बार कक्षा के दो छात्रों में किसी बात पर बहस छिड़ गई। पहला छात्र दूसरों को गलत बता रहा था और दूसरा छात्र पहले को गलत बता रहा था। अध्यापक ने विवाद को बढ़ता देख कर दोनों छात्रों को बुलाया और उनको सामने रखी मेज के दायी ओर तथा दूसरे को बायी ओर खड़े रहने को कहा। फिर मेज पर एक बड़ी सी बॉल रख दी। अब दायी ओर खड़े लड़के से पूछा गेंद का रंग कैसा है। सफेद। बायी ओर खड़े छात्र से यही प्रश्न पूछा उसने कहा काला। दोनों फिर बहस करने लगे। तब अध्यापक ने कहा तुम दोनों अपनी जगह बदल लो। अब दोनों के उत्तर उलट थे। दोनों के बीच का विवाद खतम हो गया। दोनों को समझाते हुए अध्यापक ने कहा कि झगड़े का कारण था अलग-अलग दृष्टिकोण। दृष्टिकोण का आधार है दृश्य। दोनों ने अलग-अलग दृश्य देखा इसी वजह से दृष्टिकोण में भेद आ गया। परिणामत: तकरार हो गई। अत: हर तरह के विवाद इंसान के दृष्टिकोण और मानसिकता पर निर्भर करते हैं। इस अन्तर को समझ ले हो विवादों का अन्त हो जाएगा। - **नरेन्द्रानन्द जी**।

महाराष्ट्र पश्चिम : विश्व का दूसरा सबसे बड़ा रक्तदाता - प्रान्त के सदस्य श्री अशोक त्रिभुवन दास नावर जी ने 200वीं बार रक्तदान कर विश्व के दूसरे सबसे बड़े रक्दाता बन गये हैं। प्रथम स्थान पर आस्ट्रेलिया के रक्तदाता का 234वीं बार का रिकार्ड है। बचपन से ही संघ के स्वयं सेवक रहे श्री अशोक जी ने 1975 आपात काल में प्रथम बार रक्तदान किया था। सम्मान समारोह में डॉ. प्रमोद सलगरकर जी मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर रमेश विश्वरूपे प्रान्त अध्यक्ष, आनन्द राव स्थायी सेवा प्रमुख, सुधीर देव, महादेव नावकर, रामभाऊ देशपांडे, अनिल पुंडे उपस्थित रहे।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 265 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, पत्रकार तथा परिषद् से मनोज जैन, प्रान्तीय शाखा विस्तारक, अरुण कासठ, रमेश मेहता, निर्मल पाटीदार, विनोद काला आदि उपस्थित रहे।

बिल

ये बिल क्या होता है माँ। 8 साल के बेटे ने माँ से पूछा। माँ ने समझाया - जब हम किसी से कोई सामान लेते हैं तो वह सामान या काम करने के बदले हम से पैसे लेता है और हमे उस काम या सामान की एक सूची बनाकर देता है जिसे हम बिल कहते हैं। लड़के को बात अच्छी तरह समझ में आ गई। रात को सोने से पहले उसने माँ के तकिये के नीचे एक कागज रखा जिसमें उस दिन का हिसाब लिखा था। 1. पास के दुकान से सामान लाया 5/-, 2. पापा जी का कंघा लाया 5/-, 3. दादा जी का सिर दबाया 10/-, 4. माँ की चाभी ढूंढ़ी 10/- कुल -30/- यह सिर्फ आज का बिल है इसे आज ही चुकता कर दें। सुबह लड़का उठा तो तकिये के नीचे 30/- रखे थे। यह देखकर वह बहुत खुश हुआ कि ये बढ़िया काम मिल गया। तभी उसने एक कागज और रखा देखा। उस कागज में माँ ने लिखा थां 1. जन्म से अब तक पालन-पोषण -00/-, 2. बीमार होने पर रात दिन देखभाल -00/-, 3. स्कूल भेजना, घर पर होमवर्क कराना 00/-, कपड़े सिलाना, खाना खिलाना 00/- कुल -00/- ये अभी तक का पूरा बिल है। इसे जब चुकता करना चाहो कर देना।

लड़के की आँखे भर आई। सीधा जाकर माँ के चरणों में झुक गया। मुश्किल से बोल पाया। तेरे बिल में मोल तो लिखा नही है। माँ ये तो अनमोल है। इसे चुकता करने लायक धन तो मेरे पास कभी नहीं होगा। मुझे माफ कर देना। माँ ने हंसते हुए उसे गले लगा लिया। - **अनीता**

Bhubaneswar North, Odisha : Branch organized Megha Health Awareness Camp at Alana-2 of Jagatsinghpur District about 80 kms from Bhubaneswar. 200 patients were visited and advised treatment. S.C.Pati Branch president along with members handled the event successfully.

Jagannath Dham Puri : Branch organized a health Camp with special support of Dr. N.C. Dash and Dr. Benimadhab Padhi, President inaugurated, ADM, Puri Dr. Udhab Charan Majhi inaugurated the health

camp. Bone mineral density, BMI, Sugar test were done of 83 patients and appreciate medical advice given.

Birjhora, Assam : Branch organized free medical checked-up camp at village Cungapota about 12kms from Bongaigaon. Medical camp was supervised by Dr. K.N.Dev Sharma. 147 numbers of patients were attended. P.K.Bhagwati, Bipulananda Sarma, Bhupendra Kr Sarma, B C Ray, Dilip kr. Baruah & Pankag Borthakur were present and render to help the Doctor.

बोहरा समाज का संकल्प - सादगी से होगी शादी

बोहरा समाज ने फिजूलखर्ची को रोकने लिए एक बार फिर पहल की है। समाज के धर्मगुरु सैयदना अलीकदार मुफलमौला ने सादगीपूर्ण शादी का फरमान जारी किया है। इसे द्वारा समाज के हर व्यक्ति का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। फरमान के बाद सादगी से शादियाँ शुरू हो गई है। मुख्य आलिम शब्बीर भाई नोमानी ने सभी समाज जनों को इसकी जानकारी दे दी है।

B-Block Janakpuri (Delhi West): As annual activity branch organized a Mega Sewa Shibir for viklang. 6 persons were given limbs and aids. Other than this 3 rotators , 11 hearing aids 8 wheel chairs 4 walkers 18 sewing machines 45 pair shoes. 500 notebooks. 300 pencils –sharpeners. The items were sponsored by Ek Rahat Ashirwad and Inspiration and Vijay Vigyan. Mayor Shyam Sharma appreciated the camp.

सूचना

सोशल मीडिया पर परिषद् समाचार, फोटो, वीडियो अपलोड करने की सुविधा शुरु

परिषद् की समस्त शाखाओं को हर्ष के साथ सूचित करना है कि केन्द्रीय कार्यालय मीडिया सेल के द्वारा सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्वीटर, यूट्यूब) पर शाखाओं के समाचार, फोटो, वीडियो अपलोड करने का कार्य शुरु हो रहा है। इसके लिए सभी शाखाएं, प्रान्त, रीजन अपना फेसबुक अकाउण्ट बना लें तथा समाचारों को centralmedia@bvpindia.com तथा bvpcentralofficemedia@gmail.com पर भेंजे। नीति के समाचार यथावत niti@bvpindia.com पर ही भेजे जाएँ। सोशल मीडिया संबंधी किसी भी जानकारी के लिए उपरोक्त मेल अथवा मोबाइल नं. 9810472458 श्री मुकेश गुप्ता मीडिया प्रभारी से सम्पर्क करें। -सम्पादक नीति

Samrath Muzaffarnagar (Hastinapur): A dental checkup was conducted in Shiksha Sadan Kanya Inter College. Dr. Anil Jain checked up 205 girls. Free medicines were distributed to girls. Observed children's day at Vedic Putri Kanya Inter College. Children enjoyed Happy Land Hunting show, 3D theater and lift. Snakes were distributed to children and teachers. Poojan to Gau Mata was performed by lady members.

Free medical camp was organized at Hindan Super Specialty Medical Centre. Dr. Ajay Tomar checked up 55 patients and prescribes medicines. New Year was observed where Shri Pankaj Agarwal Chairman and Songs of Sangeet Sarita Musical Group performed musical hits: couple dance and flute, old songs were most appreciated.

Divyang Camp Amreli (Gujarat): Amreli branch distributed 100 tricycles to 100 Divyang. 10 Sewing machines and 100 food packets were also distributed to mother and sister by courtesy BVP Rajkot and Amreli. Camp was assisted by Indian for collective action share and care foundation and Kantibhai Panachand Desai of Dallas USA.

गुरु गोविन्द सिंह के 350वें प्रकाशोत्सव पर्व पर (पंच प्यारे)

31 अप्रैल,1699 गुरु गोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना करते समय कहा था कि धर्म पर संकट है। आत्याचार का मुकाबला करना है। आज मुझे अपने सिखों का शीश चाहिए और कुछ देर सन्नाटा रहने के बाद लाहौर के दयाराम, हस्तिनापुर के धरम सिंह, द्वारका गुजरात के मोहक सिंह, विदर (कर्नाटक) के साहिब चन्द्र और पुरी (उड़ीसा) के हिम्मत सिंह खड़े हो गये और अमृत छक्का। इन्हें ही पंच प्यारे कहा जाता है।

बुलेट समाचार

- पानीपत नगर शाखा ने गर्म कपड़े बांटे।
- चण्डीगढ़ शाखा द्वारा 3 शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।
- महाकौशल प्रान्त की मंडला शाखा द्वारा ग्राम मछरिया को समग्र ग्राम योजना के लिए शामिल करने के लिए निरीक्षण किया।
- संकल्प मुज़फ्फरनगर की कनिष्ठ टीम भारत को जानो में राष्ट्रीय विजेता रही।
- भिवाड़ी शाखा ने राजकीय स्कूल के गेट की दीवार पर 'नेकी की दीवार' शुरू किया। यहाँ पुराने साफ कपड़े टांगे जा सकते हैं। जरूरतमंद आकर कपड़े ले सकते हैं।
- सतना (विन्ध्य प्रान्त) शाखा की वरिष्ठ टीम भारत को जानो की विजेता रही।
- जमशेदपुर (झारखण्ड) की हिलटाप स्कूल कक्षा 6 की छात्रा मोक्रिता चटर्जी ने अपनी पॉकेट मनी बचाकर दो शौचालयों का निर्माण कराया।
- मदनगंज किशनगढ़ शाखा द्वारा स्थापित कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने 25 दिसम्बर को सम्पन्न किया।
- विकलांग सेवा एवं पुनर्वास भवन के लिए हिसार केन्द्र का भूमि पूजन हरियाणा सरकार के सी.पी.एस. डॉ. कमल गुप्ता के द्वारा सम्पन्न किया गया।
- 72 जोड़ों का विवाह नोएडा शाखा के द्वारा कैशलेस व्यवस्था से किया गया। पुजारियों को चैक द्वारा दक्षिणा, बैंड बाजों को डिजिटल पेमेंट तथा कैशलेस व्यवस्था से सम्पन्न हुआ।
- घरौंडा शाखा द्वारा सर्दी के मौसम में राजकीय बालिका विद्यालय में जर्सी वितरण किया गया।
- बकानी शाखा जिला झालावाड़ ने मल्टी सर्जिकल कैम्प का आयोजन किया जिसमें 5 दिन में 176 ऑपरेशन (किडनी, बच्चेदानी, स्टोन, पाइल्स, हर्निया, स्स्टि, लाइपोमा) सम्पन्न हुए।
- श्री गंगानगर के रायसिंह नगर राजकीय बालिका विद्यालय में जल संरक्षण की शपथ छात्राओं को दिलाई पर्यावरण विद् रमेश गोयल ने।
- सवर्णिम काशी शाखा ने मैहर, चित्रकूट धाम की धार्मिक पर्यटन यात्रा की वर्षा, विभा, सुमन, रतन, मुस्कान के परिवार शामिल रहे।
- छिपा बडौद में 79वें नेत्र शिविर तक 13193 नेत्र ऑपरेशन सम्पन्न हुए।

शिष्य का पत्र मास्टर के नाम

आदरणीय मास्टर जी,

मैं मंगरा हूँ। आपका पुरान छात्र। शायद अब आपको नाम भी याद न हो। फिर कोई क्यों याद रखेगा। मुझे आज आपसे कुछ कहना है। सो यह चिट्ठी डाक बाबू से लिखवा रहा हूँ। मास्टर जी मैं छः साल का था तब पिता जी ने मेरा दाखिला स्कूल में करवाया था। उनका कहना था सरकारी स्कूल जाऊँगा पढ़ना लिखना सीख जाऊँगा। इतना कमा लूँगा कि बच्चे भूखे पेट नहीं सोयेंगें पर मास्टर जी मैंने उनका सपना तोड़ दिया। मैं भी उनकी तरह गरीब हूँ। बच्चे कभी-कभी भूखे सो जाते हैं आपको मैं यह सब इसलिए बता रहा हूँ कि आप भी उसके लिए जिम्मेदार हैं

मैं प्रतिदिन स्कूल आता था। आना अच्छा लगता था। मेरे मन में यह बात बैठ गई थी कि पढ़ने लिखने से जीवन संवर जाएगां लेकिन जब मैं स्कूल जाता तो पढ़ाई ही नहीं होती। अनेक अध्यापक कई-कई दिन आते ही नही। कभी हिम्मत करके पूछता तो आप कहते घर में कुछ काम था। आज मैं आपसे पूछता हूँ कि गरीब बच्चों की शिक्षा से भी बड़ा कोई काम है क्या। आपने हमें क्यों नहीं पढ़ाया। जो एक मजदूर का बेटा मजदूर ही रह गया। अब आप मुझे पढ़ा नहीं सकते। मेरा बचपन लौटा नहीं सकते। आपके भी बच्चे हैं, भगवान से डरिये। मैंने सुना है कि गुरु का स्थान माता पिता से भी ऊँचा होता है। आपसे हाथ जोड़ कर निवेदन है कि बच्चों को पढ़ाइयें आपके हाथ में सैकड़ों बच्चों का भविष्य है उसे अन्धकार में मत डुबोइये। रोज स्कूल जाइये। रोज पढ़ाइयें आपका शिष्य -मंगरा।

आओ कुछ हंस लें-

1. **एक शहरी लड़का** तालाब के किनारे बतख को निशाना लगा रहा था। निशाना चूक गया। पानी भर रही देहाती महिला का घड़ा टूट गया। लड़का महिला के पास गया बोला सारी फार डैट। उस महिला ने एक झन्नाटेदार थप्पड़ मारा। दहिजरा के नाती एक तो घाड़ा फोड़ दिहिस, ऊपर से कहत है साड़ी फाड़ देव। अरे हम तोहार करेजा निकार लेवे रे।

2. **बंता** ने सैलून की दूकान खोली। एक ग्राहक शेव कराने आया।

   बंता ने पूछा मूँछे रखनी है। हाँ रखनी है।

   बंता ने तुरंत मूँछ काटकर उसके हाथ पर रख कर देते हुए कहा लो रख लो जहाँ रखनी है।

3. **एक बार एक** जंगल में एक बड़े गड्ढ़े में एक शेर गिर गया। परेशान होकर शेर यहाँ-वहाँ देखने लगा। पर उसे कोई रास्ता नजर नहीं आश। तभी एक पेड़ पर बैठा बन्दर आ गया। शेर को इस तरह देखकर शेर का मजाक उड़ाने लगा। क्यों शेर तू तो बड़ा राजा बना फिरता है। अब तो तेरी अकल ठिकाने आ गई न। अब शिकारी तुझे मारेंगे। तेरी खाल निकाल कर दीवार पर सजाएगें। तेरे नाखून और दांत निकाल कर दवाई बनाएगें। हंसमुखी चेनल पर तेरी न्यूज दिखाई जाएगी।

   तभी वो डाल जिस पर बन्दर बैठा हुआ था, टूट गई और बन्दर सीधे शेर के सामने आ गिरा। गिरते ही बन्दर बोला-माँ कसम दादा माँफी मांगने के लिए कूदा हूँ। इसे कहते हैं मंकी फारमूला।

4. **पत्नी** - आलू का पराठा बना दूँ आज आपको।

   पति नहीं रहने दो मैं इंसान ही ठीक हूँ। आई बड़ी जादूगरनी।

5. **पैसेन्जर** (रेलवे गार्ड से) मैं चाय पीना चाहता हूँ। कोई ऐसा उपाय बताइये कि मेरे आने तक ट्रेन न चले।

   गार्ड - बड़ा आसान उपाय है। मुझे भी अपने साथ ले चलिए।

6. **एक मोटरसाइकिल** वाले ने पता पूछने के लिए पप्पू के पूछा - मुझे लाल किला जाना है।

   पप्पू - तो जा ना भाई। ऐसे हर किसी को बताते जाएगा तो पहुँचेगा कब।

7. **पति** - जल्दी सब्जी खरीदो। ऑफिस के लिए लेट हो रहा हूँ।

   पत्नी - तुम बीच में मत बोलों जल्दी जल्दी के कारण ही तुम जैसा पति मिला है मुझे।

8. **वाइफ** - तुम्हारे बर्ड डे के लिए इतने अच्छे कपड़े खरीदे हैं मैंने कि पूछो ही मत।

   हसबैंड - थैक्यू सोमच। जरा दिखाओ तो।

   वाइफ - तुम 10 मिनट वेट करो। मैं अभी पहन कर आती हूँ।

9. **सवाल** - हर पति के लिए पत्नी का होना क्यों जरूरी है।

   जबाब - क्यों कि वह हर काम के लिए सरकार को दोषी नहीं ठहरा सकता।

राष्ट्रीय अधिवेशन में आर.सी.बाजपेयी, पूर्व वायु सेनाध्यक्ष का उद्‍बोधन

अजमेर (राजस्थान) : वर्तमान परिवेश में भारत की राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा की अतीव आवश्यकता है। वाह्य तथा आंतरिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। 65, 71 और कारगिल की युद्ध पराजय के बाद हमारे पड़ोसी देश ने अब छद्‌म युद्ध का सहारा लिया है। भारत विभाजन को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना तथा 370 धारा को स्वीकार करना हमारी बड़ी समस्याएँ रही है। आन्तरिक सुरक्षा के अन्तर्गत, आर्थिक तस्करी, ड्रग माफिया, भ्रष्टाचार, पदलालुपता का भाव हमारे भ्रष्टाचार का कारण रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद से भारत में अस्थिरता बढ़ी है। सहिष्णुता का अभाव भी समाज की बड़ी समस्या हैं ग्रामीण शिक्षा का अभाव एक बड़ी समस्या है। ऐसी परिस्थिति में आर्थिक मजबूती, सेवा की भावना, समर्पण और देश को मजबूत सुरक्षातंत्र की आवश्यकता है। वर्तमान प्रशासन ने देश की सुरक्षा पर कड़े निर्णय लेकर सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। समाज को इस अभियान में योगदान देने की आवश्यकता है।

संत परम्परा ने सामाजिक समरसता बनाये रखी -

सम्पूर्ण भारत का एक विराट संगम देख कर अति आनन्द होता है। हमारा राष्ट्र सामान्य नहीं है। यह विलक्षण है। विश्व के अनेक देश कुछ कठिनाई आने पर गिरते हैं पर फिर उठ नहीं पाते। हमारे देश में जब-जब संकट आता है तब तब महान् आध्यात्मिक शक्ति खड़ी हो जाती है। वह समाज के जीवन्त रखती है। हमारा अतीत बहुआयामी था। ऋग वेद में 26 प्रकार के ऋषियों का उल्लेख मिलता है। इनमें से अनेक तथाकथित शूद्र जाति के हैं। अनेक महिलाएँ है। वैदिक युग में महिलाओं में पर्दा प्रथा नहीं थी। पर्दा प्रथा 8वीं शताब्दी से आई। बाल विवाह नहीं था। कहाँ से आया। वैदिक यज्ञ दिन में होते हैं। काल परिस्थिति के कारण धर्म की रक्षा के लिए नियम बदलने लगे। अस्प्रश्यता कभी नहीं थी। गोमांस खाना वर्जित थीं चांडाल वर्ग अपराध वृत्ति के लोग पंचम वर्ग में थे। जैन, बुद्ध, छोटा, बड़ा की मान्यताएँ नहीं थी। समाज सभी को ब्रह्म मानता था। समान सर्व भूतेषु। वर्जनाएं और निषेधाज्ञाएं निर्माण की गई। संत परम्परा में सभी के एक मानने की परम्परा रही। नाथ सम्प्रदाय के गुरु गोरख नाथ ने सभी को वैष्णव माना। शंकराचार्य ने देश में चारो धामों की यात्रा की। सभी का मत एक ही है। वाराणसी में शंकराचार्य ने चोडाल से शास्त्रार्थ किया। दूर हट कहते हुए ब्रह्म का अपमान किया। जिसके मन से मैं और तू का भाव निकल गया वही मेरा गुरु है। रामानुजाचार्य गंगा स्नान करने जाते - ब्राह्मण के कंधे पर हाथ रख कर जाते। लौटते समय अस्प्रश्य के कंधों पर हाथ रख कर लौटते। एक मुस्लिम लड़की बीबी नच्यार को कृष्ण के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने की अनुमति दी। समाज को बचाने के लिए पर्दा प्रथा आई, बाल विवाह आया, शादी की परम्परा रात में शुरू हुई।

रामानन्द कहते है जात पात पूछे नहि कोई, हरि को भजै सो हरि का होई। शुद्र, स्त्री, सब जाति के लिए कबीर के राम सर्वव्यापी है। आचरण की पवित्रता के कारण रैदास कहते हैं प्रभु तुम चन्दन हम पानी। प्रभु जी तुम मोती हम धागा। रैदास की शिष्या बनी मीरा। ऐसी महान संत परम्परा से भेदों को समाप्त करने के प्रयत्न निरन्तर जारी रहे। पंजाब में गुरु नानक ने गुरुद्वारे बनवाए, प्रसाद आया - लंगर आया, सन्त सैनिक वन गये। सिखों की परम्परा खालसा पंथ बनी।

नरसी मेहता, संत ज्ञानेश्वर, कान्होबाई, संत एकनाथ कहीं कोई जाति भेद नहीं था। चैतन्य, प्रणवानन्द, रामकृष्ण परमहंस ने जाति का खण्डन किया। नादिया (पश्चिम बंगाल) के काजी ने हरि बोल पर प्रतिबन्ध लगा दिया। तब चैतन्य निकले हरिबोले। सभी घरों से लोग निकल कर काजी के घर पहुँचे और काजी ने भी हरिबोल किया। शंकरदेव, कृष्णमय, मणिपुरी नृत्य परम्परा ने समाज को खड़ा किया। उस समय संत समाज को जगाते थे। हमारा भी दायित्व है, हम स्वाधीन है, शक्ति सम्पन्न हैं। सफाई कर्मी, शिल्पकार, कपड़ा धोने वाला, मिस्त्री, मजदूर, चर्मकार सब हिन्दू है। धन आया, ज्ञान गया। आन्तरिक ज्ञान का द्वार खुला या नहीं यदि नहीं खुला तो खोलने का प्रयास करना होगा। भेद को छोड़कर आगे बढ़ना होगा।

-राष्ट्रीय अधिवेशन (अजमेर) डॉ. कृष्णगोपाल जी, सहसरकार्यवाह का उद्बोधन

प्रेरक प्रसंग

पैदल घर वापस जा रहा था। एक बिजली के खंभे पर एक कागज लगा हुआ था। फुरसत में था अत: पास जाकर पढ़ने लगा। इस रास्ते पर कल मैंने एक 50 का नोट गवां दिया है। मुझे ठीक से दिखाई नहीं देता है। जिसे मिले कृपया इस पते पर दे सकते हैं यह पढ़कर मुझे उस पते पर जाने की इच्छा हुई। गली के अन्दर अन्त में एक झोपड़ी थीं पहुँच कर आवाज लगाई। एक बुढ़िया लाठी टेकती हुई निकली। मुझे मालूम हुआ कि वह अकेली रहती है। ठीक से दिखाई नहीं देती है। माँ जी आपका खोया हुआ नोट मुझे मिला है, उसे देने आया हूँ।

यह सुन कर वृद्धा रोने लगी। बेटा अभी तक करीब 50-60 लोग मुझे 50 रुपये दे चुके हैं। मैं पढ़ी लिखी नहीं हूँ। ठीक से दिखाई नहीं देता। पता नहीं कौन मेरी इस हालात को देख मेरी मदद के उद्देश्य से लिख गया है। बहुत कहने पर बुढ़िया ने पैसा तो रख लिया पर एक विनती की - बेटा किसी ने मुझ पर तरस खाकर लिखा होगा। जाते जाते उसे फाड़ देना। मैंने हाँ कहकर टाल दिया। फिर सोचने लगा कि इन 50-60 लोगों से भी बुढ़िया ने यही कहा होगा। किसी ने भी नहीं फाड़ा। मेरा मन उस व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता से भर गया जिसने सेवा का यह उपाय ढूढ़ा। सहायता के बहुत से मार्ग है। यह मार्ग मेरे दिल को छू गया।

उस अकेली वृद्धा की जिन्दगी के लिए इससे अच्छा कोई उपाय नहीं है। मैंने उस कागज को फाड़ा नहीं आप ही बताइये ऐसी स्थिति में आप होते तो क्या करते। -मीनाक्षी

विविध गतिविधियाँ

राजस्थान दक्षिण पूर्व, शिवाजी कोट : शाखा द्वारा सनातन धर्म मंदिर शास्त्री नगर में होम्योपैथिक हस्पताल चलाया जा रहा है। डॉ. विक्की सक्सेना द्वारा नि:शुल्क उपचार तथा औषधि वितरण किया जाता है। प्रतिमास लगभग रुपये 2000/- की दवाएँ वितरित की जाती है। शाखा पदाधिकारियों को कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति श्री पी.के.दशोदा ने शपथ दिलाई। डेंगू तथा चिकनगुनिया के प्रकोप से बचने के लिए सनातन धर्म मंदिर में काढ़ा पिलया गया। 1000 लोग लाभान्वित हुए। स्थानीय राजकीय बालिका विद्यालय दुर्गा बस्ती में बच्चों को सर्दी के प्रकोप से बचाने के लिए 400 जर्सी वितरित की गई जिसमें अध्यक्ष कुन्ती गौतम सचिव सुधा शर्मा का योगदान रहा। प्राथमिक विद्यालय बोरकुई में यमनिफार्म, कॉपी, स्टेशनी, जूते, मोजे वितरण किये गये। संरक्षक किशन लाल काबरा उपस्थित रहे।

बेटा और बेटी

(खुश और खुशी)

खुश को बेशक गले लगाओ तुम,
खुशी का ना गला दबाओ तुम।
बेटी होती है जिगर का टुकड़ा,
प्यार देकर सुकुन पाओ तुम।
बेटी की आह बुरी होती है,
उसकी आहों में जल न जाओ तुम।
सबसे सुन्दर है फूल गुलशन का,
काला टीका इसे लगाओ तुम।
कल्पना चावला सी बेटी हो,
गर्व से अपना सर उठाओ तुम।
छोड़ा पीछे नहीं बेटों को जहाँ,
क्षेत्र ऐसा कोई बताओ तुम।
सीता, सावित्री, सुनीता और इंदिरा,
किसी भी नाम से बुलाओ तुम।
बेटा पीरी में सहारा न बना,
पुरानी बात मत सुनाओ तुम।
भ्रूण हत्या ''सरल'' यदि न रूकी,
कैसे आएगी बहू बताओ तुम?।

गोविन्द चावला 'सरल', अम्बाला छावनी

राजस्थान उत्तर पूर्व, जयपुर महानगर : शाखा द्वारा गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने की। मुख्य वक्ता दिनेश गुप्ता ने गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान की गाथा बड़े ओजपूर्ण ढ़ंग से सुनाई। शाखा सचिव ओम प्रकाश रावत ने परिषद् व शाखा के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता पर बल दिया। कार्यक्रम पश्चात् सदस्यों ने सेवा बस्ती में जाकर कंबल वितरण किया। अविनाश, आनन्द, प्रभात, रवीन्द्र शर्मा, नरेन्द्र जैन आदि ने प्रमुखता से हिस्सा लिया।

राजस्थान दक्षिण, बांसवाड़ा : शाखा द्वारा स्वेटर वितरण कार्यक्रम में 100 बच्चों को स्वेटर बांटे गयें अध्यक्ष महीपाल सिंह राव, नीलेश मेहता हरीश चन्द्र तालवाड़िया ने सहयोग किया। बेंगू शाखा द्वारा 60 यूनिट रक्तदान किया गया।

चित्तौड़गढ़ : शाखा द्वारा नवीन वाडिया, राजमल भण्डारी के सहयोग से 55 छात्राओं को स्वेटर वितरण किये गये।

ज़िदगी का एक वर्ष और कम हो चला

कुछ पुरानी यादे पीछे छोड़ चला
कुछ ख्वाइशें दिल में रह जाती है,
कुछ बिन मांगे मिल जाती है।
कुछ छोड़ कर चले गये,
कुछ नये जुड़ेगें इस सफर में।
कुछ मुझसे बहुत खफ़ा हैं,
कुछ मुझसे बहुत खुश है।
कुछ मुझये मिलकर भूल गये,
कुछ आज भी याद करते हैं।
कुछ शायद अन्जान है प्यार से मेरे,
कुछ बहुत परेशान हैं प्यार से मेरे।
कुछ को मेरा इन्तजार है,
कुछ का मुझे इन्तजार है।
कुछ सही हैं, कुछ गलत हैं,
कोई गल्ती तो माफ़ कीजिए और
कुछ अच्छा लगे तो याद कीजिए।

- प्रमोद कुमार यादव।

सुभाष उदयपुर : शाखा द्वारा उमरडाखेड़ा के राजकीय

प्राथमिक स्कूल में 76 बच्चों को स्वेटर वितरण किये गये। निर्धन परिवार के बच्चे स्वेटर पाकर प्रसन्न हुएं पूर्व में इसी स्कूल में 104 बच्चों को स्टेशनरी बांटी गई थी। पी.एस.मेहता, अध्यक्ष के साथ सभी सदस्य शामिल हुए। सभा के अन्तर्गत अपंग छात्र कैलाश पुत्र हकरा मीणा को एक ट्राइसाइकिल भेंट की गई। डॉ. नवनीत अग्रवाल ने फिजियोथेरेपी पर अपनी वर्ता प्रस्तुत की।

राजस्थान मध्य, राजसमंद : परिषद् द्वारा नव विकसित मोक्ष धाम राजनगर में विकसित उद्यान का लोकार्पण किया गया। राकेश गोयल एवं महेश माहेश्वरी ने सोनी मार्बेल, धर्मेटा तथा अरोड़ा, जे.के.नेचुरल मार्बेल का आभार किया। सदस्य विष्णु बंग ने राम धुन के लिए म्यूजिक सिस्टम भेंट किया। खुशी बैंक के द्वारा कपड़ों का वितरण किया गया।

प्लास्टिक की बोतल अब कचरा नहीं बनेगी

प्लास्टिक इस धरती पर एक खतरनाक वस्तु है जिसे बैन किया जाता है लेकिन फिर भी कुछ न कुछ जुगाड़ निकाल ही लेते हैं लोग। आइसलैड एकेडमी ऑफ आर्ट्स एटीफनसन से पाउर्डरएगर की मदद से एक नये तरह की पानी की बोतल इजाद की जाएगी। एगर को पानी में मिलाने से वह जेली की तरह का पदार्थ बन जाता है। उसे बोतल के साचे में डाला जा सकता है।

खास बात यह है कि जैसे ही बोतल में पानी खतम होगा यह अपने आप गलने लगेगी। इसमें प्राकृतिक तत्वों का प्रयोग होने के कारण यह हानिप्रद नहीं होगी यदि लोगों को इस का स्वाद पसन्द आया तो इसे खा सकते हैं।

अजमेर : गुरु जी के प्रकाश पर्व पर शाखा द्वारा आजाद पार्क में 2000 कप चाय सेवा की गई। अध्यक्ष डॉ. सुरेश गावा ने परिषद् के पाँच सूत्रों की चर्चा कीं युवा शाखा द्वारा रक्तदान तथा युवा दिवस पर विवेकानन्द जयन्ती कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सुभाष भीलवाड़ा : राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में शाखा द्वारा 55 स्वेटर वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रान्तीय महिला प्रमुख गुणमाला अग्रवाल, विनोद गदयानी, मदन खटोड़, मुकेश लाठी आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान पश्चिम, बाड़मेर : 103 लोगों के आधार कार्ड बनवाये गये। एक्यूप्रेशरथेरेपी में मरीजों को सुविधा दी गई। 12 छात्रों को IIT ZEE की कोचिंग नि:शुल्क दी गई। विपन्ना परिवारों से कागज की थैली बनवाकर 7 परिवारों का जीवन यापन हो रहा है। पोलिथिन से मुक्ति मिल रही है। 120 परिवारों को कपड़ों का सहयोग किया गया। भारत लैबोरेट्री में 102 मरीजों का कम शुल्क पर परीक्षण किया गया। रोगी वाहन सेवा 16 मरीजों को दी गई। डीप फ्रिज, जल मंदिर भी कार्य कर रहे हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश : गत कई वर्षों से युवाओं में विज्ञान के प्रति रूचि जागृत करने के लिए 'विज्ञान को जानो' क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन प्रतिवर्ष प्रान्त स्तर पर प्रभारी पंकज सक्सेना के दिशा निर्देश में सम्पन्न किया जाता है। इस वर्ष 23000 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

रहस्य

घर में खुशियों का माहौल था पिता जी एक तरफ काम व्यस्त थे। मैं बाहर मेहमानों को देख रहा था। तभी एक मित्र ने मुझे शगुन का लिफाफा दिया और चल दिया। मुझे मालूम था कि वह अत्यन्त निर्धन है। शगुन के रुपये जरूर किसी से उधार लेकर आया होगा। मैंने मन बना रखा था कि उसका एक रुपया भी नहीं लूँगा। मैंने तत्परता से लिफाफा खोला। यह क्या लिफाफा खाली था। हम पति पत्नी सोचने लगे कि बैरंग लिफाफे के रहस्य को खोलकर अच्छा नहीं किया।

सिकन्द्राबाद : शाखा द्वारा गोपाष्टमी पर गोपूजन तथा गौशाला को सहायता प्रदान की गई। सागर मैरिज होम में बच्चों को संस्कार शिविर में अंजू नरेन्द्र और सुनीता सक्सेना ने बच्चों को स्वाभिमान और जरूरतमंदों की मदद करने पर विशेष प्रसंग प्रस्तुत किये गये। दूसरे शिविर में 42 बच्चे उपस्थित हुए। बच्चों को परिवार में आदर, संस्कार, बांट कर खाने, खेलने की वृति पर बल दिया गया। दीपक गोयल, जतिन गुंजन सन्ध्या ने बाजी मारी। 11 परिवार सदस्यों का पूर्वोत्तर भारत का भ्रमण, आपसी समझा तथा सहयोग के लिए काफी उपयोगी रहा। असम के कामाख्या मंदिर, डॉ. हजारिका संग्रहालय, विज्ञान संग्रहालय, वरिष्ठ आश्रम, भीमा शंकर का भ्रमण किया। शिलांग में पीक तथा वार्ड लैब दर्शनीय स्थल रहे। 15 दिन के भ्रमण से पारिवारिक सौहार्द निर्माण हुआ। शाखा द्वारा भारत को जानो तथा समूहगान प्रतियोगिता बृहद स्तर पर सम्पन्न हुई। भ्रमण में एस.सी.गर्ग, वी.एस.सक्सेना, जुगल बंसल, दीनदयाल गोयल आदि ने परिवारों के साथ उल्लास पूर्ण भागीदारी की। बाल संस्कार शिविर में 137 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। आज्ञापालन, कर्तव्य निष्ठा, निरूपयोगी वस्तुओं का उपयोग के साथ बच्चों ने अनुशासन एवं सत्यनिष्ठा के संस्कार ग्रहण कियें सुधा गोयल ने आयोजन किया।

साहिबाबाद मेन : शाखा द्वारा स्वामी विवेकानन्द सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में 'राष्ट्रवन्दन एवं भारत माता की आरती' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाबा सत्य नारायण मोर्य द्वारा राष्ट्र की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व

राजनैतिक परिस्थितियों की विवेचना करते हुए राष्ट्रभक्ति के गीतों में पिरोते हुए भारत माता का मर्मस्पर्शी बन्दन किया। कई महापुरुषों के चित्रों को बनाया गया। अद्‌भुत कार्यक्रम के अंत में 500 दीप जलाकर भारत माता की आरती का आयोजन किया गया। शाखा के सदस्य परिवारों के साथ समाज के कुल 1500 लोगों की उपस्थिति रही। डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (कार्यालय) तथा डॉ. केशव दत्त गुप्ता, उपाध्यक्ष (उत्तर-मध्य) आशू वर्मा, मेयर, गाजियाबाद मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उसके हिस्से का दूध

बछड़ा कुछ ज्यादा ही भूखा था। लाख मना करने पर भी वह थनो को मुँह से निकाल नहीं रहा था। बछड़ा सोच रहा था माँ दूध पीने क्यों नहीं दे रही। इधर गाय सोच रही थी, यदि सभी दूध बछड़ा पी गया तो मालिक का नाती क्या पियेगा जिसकी माँ उसे जन्म देते ही मर गई थी।

पिलखुआ : शाखा द्वारा भारत को जानो डी.ए.वी. इण्टर कॉलेज में सम्पन्न की गई। कृष्ण गोपाल गोयल तथा विपिन बंसल उपस्थित रहें अपनापन फाउण्डेशन द्वारा निःशुल्क नेत्र तथा कान परीक्षण किया गया। 400 चश्में तथा 15 मशीने प्रदान की गई। 12 मरीजों का ऑपरेशन कराया गया। विज्ञान को जानो प्रतियोगिता सम्पन्न हुई जनवरी के प्रथम दिन गाँव के गरीब परिवारों को 150 कम्बल तथा 300 शालों का वितरण किया गया।

''जीवन का सिद्धान्त''

निर्धारित जीवन की सांसे, क्षमणभंगुर है जीवन अपना।
सुख समृद्धि सब भ्रामक है, देख रहा दिन में तू सपना।।
जो आया है वह जाएगा, जीवन का सिद्धान्त यही है।
अमर आत्मा तन नश्वर है, गीता का भी सार यही है।।
तुझे मिलेगा फल कर्मो का, कुछ भी साथ नहीं जाएगा।।
फिर मानव क्यो दुःखी हो रहा, जो बोया है वह पायेगा।।
पाप पुण्य में अन्तर करके, अच्छे कर्म करो जीवन में।
यही वेद है, यही गीता, इनका सार भरो जीवन में।।

खुर्जा : भारत विकास परिषद् कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय खुर्जा के प्रांगण में जिला बुलंदशहर , जिलाधिकारी आंजनेय सिंह द्वारा 'सेवा-समर्पण' उत्सव का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया। डॉ. केशव दत्त गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नवीन कुमार, रीजनल सचिव, अरुणा सिंघल, प्रान्तीय अध्यक्ष, ममता शर्मा, प्रान्तीय महिला संयोजिका के साथ जिलाधिकारी द्वारा नवनिर्मित 'ए ब्लॉक' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा 'कन्या शिक्षा' के मूलभूत सिद्धान्त को बल देते हुए जारी रही स्वर्णिम प्रगति का ब्यौरा, प्रेम प्रकाश अरोरा, सचिव विद्यालय समिति ने प्रस्तुत किया। विद्यालय की शैक्षिक प्रगति, भवन प्रगति हेतु एम.पी. अरोरा ने सहयोगियों, दान दाताओं, शिक्षक व अभिभवकों की प्रशंसा कीं अंजली शर्मा, प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों का सम्मान कराया। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

शादी का एक तोहफा

रायल वेडिंग हो या नामचीन शख्सियत की शादीं दूल्हा हेलीकोप्टर से आये या शादी समुद्र की गहराइयों में हो। खर्चाा करोड़ों का टिकटें हवाई जहाज की ठिकाना, फाइव स्टार होटल का। शादियों की ऐसी कहानियों के बीच एक कमल सी खिलती कहानी। रसूदार महंगी शादी करने के बजाए सड़क पर गुजर करने वालों के लिए पक्के मकान बना कर दिये। बात अनहोनी लगती है। लेकिन औरंगाबाद के व्यापारी मनोज गुणोत ने अपनी बेटी की शाही शादी करने के बजाय 90 परिवारों के लिए पक्के मकानों का एक अशियाना बना कर दिया। बेटी श्रेया की शादी पर यह अनोखा उपहार वाह वाही बटोर रहा है।

हस्तिनापुर, समृद्धि मुजफ्फरनगर : दिसम्बर माह में शाखा द्वारा एक तीर्थ यात्रा का आयोजन माता वैष्णें देवी धाम कटरा, जम्मू के लिए किया गयां नवीन सिंघल, जिलाध्यक्ष व अरुण खण्डेलवाल के नेतृत्व में शाखा के 32 सदस्यों ने भाग लिया। कौशल कृष्ण अग्रवाल पूर्वाध्यक्ष का व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग रहा। विद्यार्थियों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों को जीवन लक्ष्य पाने में विद्यालय कैसे सहायक होता है, विद्यालय में हमारा मस्तिष्क व बौद्धिक विकास कैसे होता है, सफलता के नियम-कठिन परिश्रम, आत्म विश्वास व लक्ष्य के प्रति दृढ़ विश्वास आदि विषयों पर चर्चा की गई। ईश्वर द्वारा हर प्राणी में कोई न कोई गुण दिया है यहाँ तक कि सांप के जहर का प्रयोग कैंसर की दवा के लिए होता है। ऐसे प्रेरणादायी व्याख्यान के साथ-साथ प्रेजेक्टर द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के वीडियो के उदाहरण से बताया गया। यदि मन में ठान लें तो काई कार्य असंभव नहीं। 'उड़ान उम्मीदों की' अभियान के अन्तर्गतशाखा द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर साकेत में यह प्रेरणादायी कार्यक्रम कराया गया। विद्यार्थियों को अध्ययन में आने वाली समस्याओं का समाधान भी बताया गया। मन नहीं लगना, शरीर दूखने लगा, नींद आना इत्यादि। अरुण खण्डेलवाल, मनोज तायल, सुरेन्द्र नाथ मित्तल आदि का विशेष योगदान रहा।

उत्तराखण्ड पूर्व, हल्द्वानी : शाखा द्वारा गोद लिए

गए विजयंत टैंक पार्क में 16 दिसम्बर को विजय दिवस के अवसर पर 'ए वतन तुझे नमन्' कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर 1971 के युद्ध में पराक्रमी वीर सैनिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. इंदिरा हृदयेश, वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री तथा मेयर डॉ. जोगेन्द्र सिंह रौतेला ने 1971 की लड़ाई में पराक्रम का प्रदर्शन करने वाले पूर्व सैनिकों को शॉल, पुष्प देकर सम्मानित किया। इसमें मुख्य रूप से मेजर जनरल इन्द्रजीत सिंह बोरा, वी.एस.एम., ब्रिगेडियर वीरनाथ रावल, एस.एम., मेजर आर.सी. सती, कर्नल दर्शन सिंह कार्की, सूबेदार शेर सिंह, वीरचक्र आदि सम्मिलित रहे। मेजर वी.एस.रौतेला, जिला सैनिक एवं कल्याण अधिकारी ने 1971 के युद्ध के बारे में विस्तृत जानकारी दीं हरीश पाण्डेय ने राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मध्य उत्तर केशव दत्त गुप्ता, सुनील खेड़ा, राष्ट्रीय मंत्री संगठन, भगवान सहाय अग्रवाल, रीजनल सचिव, विजय छोकर उपस्थित रहे।

घर एक मंदिर

सुप्रसिद्ध कवियित्री श्रीमती मंजू लोढ़ा ने बिखरते परिवार और टूटते रिश्तों के बीच ''घर एक मंदिर'' ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। भारत विकास परिषद् मुम्बई सेन्ट्रल शाखा एवं आचार्य विद्या निधि फाउण्डेशन ने ''घर एक मंदिर'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की। 15 बहनों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि युगराज जैन ने परिवार के महत्व पर भावपूर्ण वक्तत्व दिया। अध्यक्ष मांगीलाल मेहता ने स्वागत कियां संचालन विद्या शाह एवं जया मुनोत ने किया। मुम्बई सेन्ट्र शाखा जब करती है कुछ नया ही करती है। बधाई –सम्पादक।

उत्तराखण्ड पश्चिम, अविरल गंगा रुड़की : कोहरे से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए स्थानीय प्रशासन की मदद से वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए। कार्यक्रम का आयोजन शिखा पेट्रोल पम्प पर किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सतेन्द्र मित्तल, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष, डॉ. संगीता सिंह, साक्षी त्यागी, सुगंध जैन, रेनू सक्सेना, गरिमा चड्ढ़ा आदि ने मुख्य भूमिका निभाई। स्थानीय समाचार पत्रों ने परिषद् के इस कार्य की प्रशंसा की।

ब्रज प्रदेश, मयूरी अलीगढ़ : शाखा द्वारा कार्तिक पूर्णिमा, गुरु नानक जयन्ती, फैन्सी ड्रेस का आयोजन किया गया। बच्चों में देश भक्ति का भाव दिखाई पड़ा। नरेन्द्र मोदी, केजरीवाल, मनमोहन सिंह के रूप प्रस्तुत किये गये। मुमताज, रजिया, मदर टेरेसा, लक्ष्मीबाई, शीला दीक्षित, गुरु गोविन्द सिंह, गाँधी, नेहरु के रूप लेकर बच्चों ने सहभागिता की। शिवानी सिंह, लता गुप्ता, रीना शोभा, मीना, मोहित ने उत्साहवर्धन किया। निर्धन कन्या के विवाह पर उपहार तथा दावत की व्यवस्था मयूरी ने की।

अवध प्रदेश, सीतापुर : जिला कारागार में बन्दी महिला व पुरुष बन्दियों को गर्म कपड़े व कम्बल प्रदान किये गये। अधीक्षक आर.के.जायसवाल, डॉ. जितेन्द्र कुमार जोलर आदि नेपरिषद् को धन्यवाद दिया। अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, हरीश शाह, सुनील अग्रवाल, मधुवर संदीप, ज्योति सलूजा ने सहयोग किया। महिला बन्दियों के साथ रह रहे बच्चों को कपड़े, बिसकुट, टॉफी आदि दी गई।

नव वर्ष पर कुछ रचनाएँ

कल की नई सुबह इतनी सुहानी हो जाए
आपके दुखों की सारी बाते पुरानी हो जाए
दे जाए इतनी खुशियाँ ये नव वर्ष आपको
कि खुशी भी आपके मुस्कराहट की दीवानी हो जाए।

–अरविन्द अग्रवाल

जिन्दगी से हर पल एक मौज मिली
कभी कभी नहीं हर रोज मिली
एक अच्छा दोस्त मांगा था जिन्दगी से
पर मुझे तो यहाँ पूरी विद्वानों की फौज मिली
हमारा ग्रुप कोइ वाशिंग पाउडर नहीं है
जो पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें।
हमारा ग्रुप तो जीवन बीमा है,
जिन्दी के साथ भी जिन्दगी बाद भी।

– सी.पी.

नव वर्ष की हर्षित बेला पर
खुशियाँ मिले अपार,
यश कीर्ति सम्मान मिले
और बढ़े सत्कार।

पूर्वी लखनऊ : शाखा द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अनतर्गत 35 गरीब छात्राओं को यूनिफर्म वितरित की गई।

लोकमान्य-लखनऊ : शाखा द्वारा 'सरल सामूहिक विवाह' प्रकल्प के अन्तर्गत सोनाली पुत्री बाबूलाल के विवाह में गृह उपयोगी वस्तुएँ रुपये 25, 000/- की राशि प्रदान कर निर्धन परिवार की सहायता की गई।

लखनऊ समर्पण : शाखा कोषाध्यक्ष श्री महेन्द्रपाल सिंह अपने पुत्र प्रशान्त सिंह की दहेज रहित एवं आडम्बर विहीन विवाह सौ. गुंजन सिंह के साथ सम्पन्न किया। समाज को दिशा देने के लिए संकल्प के साथ अवध प्रान्त के श्री पवन अग्रवाल, राजेश मल्होत्रा, मदनलाल अग्रवाल उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन सिन्हा सचिव दिनेश चन्द्र मौर्य ने आशीर्वाद दिया।

प्रयाग, प्रतापगढ़ : शाखा द्वारा प्रतापगढ़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'अग्निशमन जागरूकता तथा यातायात के नए जागरूकता' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम उत्तर प्रदेश फायर बिग्रेड के सहयोग से सम्पन्न हुआ। स्नातक तथा परास्तानक के लगभग 300 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की आग जैसे बिजली, ज्वलनशील पदार्थ, गैस द्वारा लगने वाली आग तथा बचाव हेतु निर्दिष्ठ संसाधनों के प्रयोग से आग पर काबू का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। यातायात के नए नियमों की जानकारी गिरिजा शंकर मिश्र, संयुक्त सचिव द्वारा दी गई। डॉ. ब्रजभानू सिंह, प्रधानाचार्य, प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने कार्यक्रम की उपयोगिता व सफलता पर आभार प्रकट करते हुए उत्तर प्रदेश फायर बिग्रेड के अपाधीक्षक राधे श्याम द्विवेदी को विशेष धन्यवाद दिया। शम्भू नाथ मेहरोत्र, गोविन्द खण्डेलवाल, शरद केसरवानी ने सहभागिता की।

मार्गदर्शन किससे?

रामकृष्ण परमहंस से उनके एक शिष्य गिरीश चन्द्र ने पूछा कि मुझे किस प्रकार जीवन यापन करना चाहिए। कभी इधर (संसार) कभी उधर (ईश्वर) की ओर देखते हुए चलो। यदि कोई स्थिति ऐसी आ जाए कि निर्णय करना कठिन हो तब। परमहंस बोले यदि तुम्हें कभी अपने कर्तव्य या अकर्तव्य के अथवा सदाचार के विषय में संदेह उपस्थित हो तो विचारशील तपस्वी, कर्तव्य परायण, मृदुस्वभाव, धर्मात्मा, विद्वान, गुरुजन हो उनकी सेवा में उपस्थित होकर समाधान करो और उनके आचरण और उपदेश का अनुसरण करों यदि उपलब्ध न हो तो सद्ग्रन्थों का सत्साहित्य का पठन पाठन, चिन्तन, मनन कर मार्ग दर्शन लो।

– बप्पा रावल से साभार।

काशी प्रदेश, सत्यम वाराणसी : देव दीपावली के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द पार्क, नदेसर वाराणसी में सांय 3:30 बजे शाखा सदस्यों ने उपस्थित होकर दीप जलाकर पार्क को जगमग किया। साथ ही शाखा परिवारों की महिलाओं द्वारा अनाथ बच्चों को खाना खिलाया गया।

स्वर्णिम वाराणसी : शाखा द्वारा सदस्यों हेतु चित्रकुट धाम की धार्मिक यात्रा का प्रबन्ध 18-20 दिसम्बर, 2016 के दौरान किया गया। अतुल मेहरा, शाखा अध्यक्ष ने कहा कि यह यात्रा क्षेत्र में परिषद् के कार्यों के प्रति समाज को जागरूक करने में सहायक हुई। दिलीप कुमार अग्रवाल, पारस नाथ केसरी, नरेश गिनोडिया, वर्षा केसरी, सुमन आदि ने कैलाश प्रसाद तुलसयान के नेतृत्व में यात्रा का आनन्द उठाया।

आजमगढ़ : शाखा द्वारा भीषण सर्दी में रेलवे स्टेशन, रोडवेज, कचहरी, महिला अस्पताल, हर्रा चुंगी आदि क्षेत्रें मे कम्बल वितरण कार्य किया गया। इस अवसर पर अशोक कुमार अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष, बिरजाशंकर राय, सचिव, पद्माकर प्रसाद गुप्ता, ब्रजेश पाण्डेय आदि का सक्रिय योगदान रहा।

बुन्देलखण्ड, उरई : शाखा द्वारा भीषण सर्दी से ठिठुरते असहाय लोगों को कम्बल वितरण किए। परिषद् सदस्यों ने रात्रि 10 बजे कम्बल लेकर नगर भ्रमण किये। ठंड में ठिठुरते देख निधन व जरूरतमंद लोगों को 40 कम्बल प्रदान कर सेवा कार्य सम्पन्न किये। देवेन्द्र माधव, इं. अजय इटोरिया, रामनरेश व रीतेश तरसौलिया प्रमुख भूमिका में रहे।

दिल्ली पश्चिम : प्रान्तीय सूचना पत्रक विकास संदेश से प्राप्त सूचनाओं के संदर्भ में भारत को जानो प्रतियोगिता में पलक सिंह, सोमेश प्रताप ने बांजी मारीं प्रतियोगिता में शशि आजाद, विनीत गर्ग तथा प्रान्तीय अधिकारी उपस्थित रहे। श्री भूषण लाल पराशर को विश्व जागृति मिशन की ओर से सत्कीर्ति सम्मान से नवाजा गया। सेवा शिविर के द्वारा शिवशक्ति सनातन धर्म मंदिर में विकलांग सहायता कार्यक्रम दिलाशद गार्डन केन्द्र के सहयोग से किया गया। जनकपुरी मेन शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन मनाया गया। 4 स्कूलों के 80 शिक्षको को सम्मानित किया गयां 21 छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। जनकपुरी सी ब्लॉक शाखा द्वारा 9000 छात्रों के मध्य गुरु वन्दन किया गया। स्कालरशिप तथा 60 यूनीफर्म वितरित की गई।

दिल्ली पूर्वी : क्रियेटिंग होप कनाडा के सहयोग से विकलांग शिविर लगाया गया। श्री कमल नारायण ने शिविर में उपस्थिति दर्ज की। अध्यक्ष श्रीमती शारदा जैन की पूज्य माता जी किरन माला जैन का नेत्रदान सम्पन्न हुआ। विवेक विहार शाखा ने निबन्ध प्रतियोगिता के विजेता तथा खेल कूद विजेता डयूरान्ट पब्लिक स्कूल को सम्मानित किया गया। सूर्य नगर शाखा द्वारा रात के रखे हुए व्यजनों से नये व्यजन तैयार करने की प्रतियोगिता हुई। डॉ. रश्मि अरोड़ा ने निर्णय दिये।

दिल्ली मध्य : भारत को जानो प्रान्तीय कार्यक्रम वेस्ट

पटेलनगर में सम्पन्न हुआ। कनिष्ठ वर्ग में कमला नगर तथा वरिष्ठ वर्ग में राणा प्रताप बाग शाखा की टीम प्रथम रही। बच्चों को प्रमाण पत्र, ट्रॅफी व चेक दिये गये। पहली बार अपने नाम का चेक लेकर बच्चे बहुत खुश हुए। मुख्य अतिथि सुरेन्द्र कुमार वधवा जी रहे।

मध्य भारत उत्तर, भवभूति डाबरा : राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जल तेल एवं चर्मरोग निदान शिविर में शाखा द्वारा फल वितरण किया गया। जिला कुष्ठाधिकारी ने कुष्ठ रोग को निदान के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर सरकारी अधिकारियों के साथ अध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव तथा प्रदीप माहेश्वरी मौजूद रहे।

विन्ध्य प्रान्त : समूहगान प्रतियोगिता में प्रान्त की शहडोल, सतना, कटनी, छतरपुर, अनुपपुर, रीवा और उमरिया शाखा में सम्पन्न हुआ। कुल 35 स्कूलों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़, रायगढ़ : रायगढ़ ईकाई द्वारा वृद्ध आश्रम में सेवा की गई जिसमें शाखा सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम में संतोष गुप्ता, राजेश अग्रवाल, अजय केडिया, सुबोध खेरवार आदि का विशेष योगदान रहा। शाखा ने निर्धन व दीन हीन लोगों को कम्बल वितरण भी किया।

हरियाणा उत्तर, घरौंडा : गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें घरौंडा के 10 विद्यालयों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि पूर्व नगरपालिका चेयरमैन सुरेन्द्र संगला रहे। इस अवसर पर बच्चों ने बड़े प्रभावी ढंग से गुरु तेग बहादुर के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने भारतीय संस्कृति पर आधारित महापुरुषों पर इस प्रकार के कार्यक्रम करने को परिषद् की प्रशंसा की। धीरज भाटिया, शाखा अध्यक्ष, मीनू गुप्ता उपाध्यक्ष, सरदार जोगा सिंह, राधेश्याम भारती, कपिल गुप्ता आदि मुख्य भूमिका में रहे।

कर्ण-करनाल : शाखा की सेवा प्रकल्प प्रमुख रेखा खोकर व अन्य महिला सदस्यों ने भाषण, सर्दी से बचाव हेतु निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों में गर्म कपड़े बांटे। परिषद् की सेवा सूत्र का निर्वहन करते हुए महिला सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। विशेष योगदान रचना शर्मा, मंजू सचदेवा, ललित मदान, पूजा अग्रवाल, सुमन मनचेरा आदि का रहा। शाखा सचिव विकास मेहेदीरत्ता ने डिजिटल युग में 'बच्चों द्वारा खेल मंद करमे में मोबाइल' पर एक बार का संज्ञान लेते हुए उन्हें शारीरिक खेलों के लिए प्रेरित किया। इसी संदर्भ में 'बचपन के खेल' का आयोजन किया गया। कब्बडी, खो-खो, लेमन रेस आदि कराए। बच्चों, महिलाओं व सदस्यों ने भाग लिया। पंकज दुआ, आर.एस. शर्मा, कपिल अरेजा, डॉ. एन.पी.सिंह, देवेन्द्र सचदेवा आदि उपस्थित रहे। स्थानीय कनिष्ठ पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले 60 जरूरतमंद बच्चों में सर्दी से बचने के लिए गर्म स्कूली जर्सी का वितरण किया गया। अशोक महेन्द्रू, प्रान्तीय सह संगठनमंत्री, दर्शन मदान, अध्यक्ष, विकास मेहन्दीरता, सचिव सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने सेवा कार्यो के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

सूरज पंचकुला : शाखा द्वारा राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से 20 पंचकूला में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में गुरु जी के के जीवन से जुड़े विषयों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में बिन्दु प्रथम व सौरभ पाण्डेय द्वितीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेनू गुप्ता, प्रिंसिपल व कर्नल (सेवानिवृत्त) मेहर सिंह, विशिष्ट अतिथि रहे। आनन्द प्रकाश गोयल, प्रान्तीय संयोजक, डॉ. सुदश्रन चौधरी, रेनू बाला, सतपाल सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कैथल : गीता जयन्ती के अवसर पर नगर प्रशासन द्वारा शेभा यात्रा का आयोजन किया गया। शाखा द्वारा पेहवा चौक पर स्वागत द्वार बनवाया तथा शोभायात्र की सदस्यों द्वारा सेवा की गई।

हरियाणा पश्चिम, बरवाला : शाखा द्वारा अर्पण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों तथा ईट भट्टा मजदूर परिवारों को गर्म कपड़े तथा जर्सी, कम्बल बांटे गये। डॉ. शिव कुमार कौशिक अध्यक्ष ने बताया कि गाँव बधावड़ डाणी, मिरदाद व खानबहादुर गाँवों के परिवारों को कपड़े बांटे गये। नारनौल कस्बे में परिषद् की मुहिम से गणमान्य नागरिक भी जुड़ गये हैं। बड़ी संख्या में लोगों ने जागरण कार्यालय में गर्म कपड़े जमा कराये।

हरियाणा दक्षिण, भगत सिंह रोहतक : प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा लागू स्वच्छ भारत अभियान के तहत वैश्य बॉयज़ सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग में 165 बच्चों ने प्रतियोगिता भाग लिया। तीन कैटिगरी में शाखा द्वारा बच्चों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये।

पंजाब पूर्व, मलेरकोटला : सरल सामूहिक विवाह प्रकल्प के अन्तर्गत 5 जरूरतमंद लड़कियों का विवाह सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर जीत गोगिया, संरक्षक, राकेश गर्ग अध्यक्ष, अशोक सिंघला, सुरेश जैन आदि उपस्थित रहे।

पंजाब दक्षिण, बठिण्डा : शाखा द्वारा निर्मित दाह संस्कार भट्टी का लोकार्पण स्थानीय विधायक स्वरूप चन्द सिंगला ने किया। इस कार्य की लोगों ने प्रशंसा की। यह कम लकड़ी के खर्च तथा पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में सक्षम है। ओ.पी. सिदाना अध्यक्ष, रतन गर्ग सचिव उपस्थित रहे।

पंजाब पश्चिम, हाजीपुर : शाखा द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गाँव उलाला तथा हंदवाल में सफाई की गई। सरपंच बलदेव सिंह ने स्वयं अभियान में भाग लिया। नगर के मुहल्लों में बैठक करके स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गयां हंदवाल में सरपंच सोनियारानी ने पशु डिस्पेंसरी, गुरुद्वारा साहिब, प्राइमरी स्कूल, सरकारी सेकेण्ड्री स्कूल में सफाई की गई। दोनों गाँवों में खुले में शौच मुक्त करने का संकल्प लिया गया।

टैगोर लुधियाना : शाख द्वारा गुरु गोविन्द सिंह का 35वाँ प्रकाश पर्व मनाया गयां बाबा दीप सिंह द्वारा विकलांग केन्द्र से प्रभात फेरी निकाली गई। गुरु ग्रन्थ साहब तथा सुखमनी साहिब का पाठ किया गयां संगत द्वारा गुरु महिमा में शबद प्रस्तुत किये गये। गुरुद्वारा के प्रधान तथा पाठी द्वारा गुरु जी के जन्म पर प्रकाश डाला गया।

पंजाब उत्तर, दीनानगर : शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विवेकानन्द गुरदासपुर के एच.आर.अर. ए. इन्टरनेशनल स्कूल को प्रथम स्थान। वरिष्ठ वर्ग तथा कनष्ठि वर्ग में शाहपुरकण्डी शाखा की टीम ने बाजी मारी। - शिव गौतम, महासचिव।

हिमाचल प्रदेश पूर्व, झाकड़ी : शाखा द्वारा अशक्त एवं जरूरतमंद लोगों को कड़ाके की सर्दी में कम्बल तथा गर्म वस्त्र वितरण कार्यक्रम सम्पन्न किया गयां शाखा अध्यक्ष श्री संजीव सूद द्वारा कम्बल वितरण किये गये। इसके पूर्व परिषद् द्वारा रिकांग पिओ, बालाश्रम, सराहन बालाश्रम क्षेत्रों में कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

Andhra Pradesh, Gawthami-Ravulapalem : Branch celebrated 'Karthika Vana Samvardhana' (Food festival under Amla Tree) in Kartik Masam (Month) on 27 November, 2016. The branch members and other families friends participated. All participants enjoyed games & quiz, housie etc.

Assam, Karimganj : Blankets were distributed at village devdwar. 70 Blankets were distributed to needy residents of the village. Nikhil Ranjan Das a member of the branch donated all blankets.

Tripura, Agartala : Agartala East and West Branch jointly organized "Guru Vandan Chhatra Abhinandan" programme at Anurapa Academy Residential Girl's School. Smt. Trishna Dev and 10 Assistant teachers were felicitated with Uttariya bouquet & books. Dr. Jagdish G. Chaudhary, a retired professor in his speech expressed the importance of programme, rol of BVP, ancient education system of India, its effects on the society, teachers-students relationship. Manjulika Dev Barman, Pranab Chakrobarty & others to grace the occasion.

Punjab West, Dr. Kitchlu Branch-Ludhiana : Branch level declamation contest on Guru Teg Bahadur Blidan Diwas in Hindi and Punjabi was organized at Viklang Sahayata Kendra Ludhiana. Charanjeet Singh, Chief Engineer was the Chief Guest. Nine School participated in the contest. Harman Kaur (IX Class) secured first position in Punjabi and Arjoo Sharma (X Class) secured first position in Hindi.

Delhi East: Branches of Delhi east prant witnessed multifarious Sewa projects by different branches. Ipex branches distributed 150 winter clothes and uniforms in a govt. primary school. Vivek Vihar branch distributed milk bottles and warm clothes in Dayanand Hospital and leprosy Ashram. Greater Mayur Vihar branch distributed blankets and woolen clothes.

मुम्बई इण्डियन्स का बॉलर नाथू सिंह

6 हजार रुपये मासिक पर मजदूरी करता पिता। अभावों में बेटे की परवरिश। बेटे को मुकाम तक पहुँचाने के लिए अपने सपनों का कत्ल। ऐसे मजदूर पिता को आईपीएल की मुम्बई इण्डियन्स का बॉलर नाथू सिंह रिटर्न गिफ्ट देने की तैयारी कर रहा है। एक्सप्रेस बॉलर नाथू सिंह अपने माता पिता के लिए 1.5 करोड़ का बंगला तैयार करवा रहे हैं। नाथू के पिता भरत सिंह कहते हैं कि शान्त स्वभाव का नाथू परिवार के लिए कुछ भी कर सकता है। उसके पिता आज भी सबेरे टिफिन लेकर फैक्ट्री में काम करने निकल जाते हैं। नाथू को आईपीएल की मुम्बई इण्डियन्स टीम ने 3 करोड़ 20 लाख में खरीदा। तीन साल पहले तक नाथू स्वयं चप्पल फैक्ट्री में काम करता था।

Uttrakhand West, Roorkee : *Guru Teg Bahadur Balidan Divas* was organized at state level in IIT Roorkee auditorium. About 20 army officers, presently at Roorkee for higher education were felicitated Dr. Bhupender Singh gave a hilarious talk on the life of Guruji Prof. Pramod Agarwal dean academics was the chief guest, dean administration Dr. Ram Bhargava was guest of honour. Prof. Praveen Kumar Aeron organized the function along with Pankaj Garg and Savitri Mangla.

****

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नोएडा शाखा ने कराया 72 जोड़ो का विवाह

- घुड़चढ़ी की रस्म 25 बग्घी और कारों पर सम्पन्न की अतुल वर्मा की टीम ने।
- एक दिन पहले मेहंदी की रस्म के लिए जोड़ों को बुलाया गया। परिवार की महिला सदस्यों ने मेहंदी की रस्म पूरी की।
- पंजाबी समाज का भंगड़ा, स्कूली बच्चों का दल, नामी बैंड, शोभा यात्र का हिस्सा बने।
- वधू पंडाल की देख-रेख किरन बंसल की टीम ने तत्परता से की।
- सदस्य महिलाएँ वधुओं का श्रृंगार करती रही। एक वधू अपने दिवंगत माता की याद में रो पड़ी।
- नोएडा स्टेडियम के आयोजन में 4000 लोग जमा थे। भोजन, नाश्ता, मिठाई, सब्जी, भंडार वितरण विभागों को संभाला के.के. बंसल की युवा टीम ने।
- 5 महीनों में जोड़ों का चुनाव, जांच पड़ताल, आय एवं आयु की जांच का जिम्मा मनोज गोयल की टीम का।
- दूल्हों का परिधान, पगड़ी, जयमाला, सज्जा संभाली प्रताप मेहता की टीम ने।
- प्रेस वाला, पालिश वाला, नाई, टेलर व्यवस्था चाक चौबन्द थी।
- प्रशासन ने पुलिस, फायर, एम्बूलैंस, जल स्वच्छता की व्यवस्था संभाली विपिन मल्हन की टीम ने।
- गुरुकुल से आये पंड़ितो ने विवाह सम्पन्न करायें दक्षिणा चैंक से दी गई।
- परिवार उपयोगी सामग्री, विस्तर, वर्तन, बेड, सिलाई मशीन, साड़ियाँ, टी.वी., आभूषण के साथ रुपये 11000/- की राशि का सोने का मंगल सूत्र भेंट किया गया। कुल लागत रुपये 90000/- प्रति जोड़ा।
- अतुल वर्मा ने बारात में मिलनी का नेग स्वयं वहन किया।
- राष्ट्रीय समाचार पत्रों के साथ एशियन एज. हिन्दुस्थान टाइम्स तथा मीडिया चैनलों में प्रमुखता दी।
- राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक नेताओं ने वर वधू को आशीर्वाद दिया।
- आपत स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा सेवा व्यवस्था परिषद् के डायग्नोस्टिक सेन्टर ने की।
- केन्द्रीय व प्रान्तीय पदाधिकारी डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, केशवदत्त गुप्ता, अरुण सिंघल, सतीश गर्ग, ममता शर्मा ने आयोजन की संकल्पना एवं क्रियान्वयन के लिए पंकज जिन्दल की पूरी टीम की प्रशंसा की।
- राजीव अग्रवाल अध्यक्ष, अनलि अग्रवाल सचिव ने बताया कि पूरी शादी कैशलेस व्यवस्था से हुई।

-रिपोर्ट मनोज अवस्थी, सह सम्पादक

मैं आज़ाद हूँ

“चिंगारी आज़ादी की सुलगी मेरे जश्न में है, इंकलाब की ज्वालाएँ लिपटी मेरे बदन में है, मौत जहाँ जन्नत हो ये बात मेरे वतन में है, कुर्बानी का जज्बा जिन्दा मेरे कफन में है।”

चन्द्रशेखर आज़ाद की (27/2) पुण्यतिथि पर उनको शत-शत नमन।

DIGITAL INDIA - A FEW INTERESTING FACTS:

National Payments Corporation of India (NPCI) is an umbrella organization for all retail payments system in India. It was set up with the guidance and support of the Reserve Bank of India (RBI) and Indian Banks' Association (IBA).

The objective is to facilitate an affordable payment mechanism to benefit the common man across the country and help financial inclusion.

During the last five years, the organization has grown multi-fold from 2 million transactions a day to 20 million transactions now. From a single service of switching of inter-bank ATM transactions, the range of services has grown to Cheque Clearing, Immediate Payments Service (24x7x365), Automated Clearing House, Electronic Benefit Transfer and a domestic card payment network named RuPay to provide an alternative to international card schemes.

There is a general perception that RuPay Debit cards can be used only at ATMs. In fact, it can be used at any shop having a Point of Sale (PoS) terminal and at major e-commerce portals apart from its use at the ATMs.

There are over 300 million RuPay Debit Cards in circulation and on an average these cards record over 10 lakh transactions on PoS and e-commerce every day. There are about 14 lakh PoS terminals and about 2.3 lakh ATMs in the country.

It is worth mentioning that no separate registration is required for using the RuPay card on PoS terminal. In fact, using it on PoS terminals is easier than using it on ATMs. The customer has to just enter the PIN to complete the transaction. Very soon, all hospitals, railway stations and utility billing counters will have PoS terminals. For e-commerce transactions, RuPay has moved to a much simpler check-out mechanism for of One Time Password (OTP) for authentication. 34 major banks have already been providing this RuPay online transaction service.

कुर्बानी की एक मिसाल

- ♦ 21 दिसम्बर – श्री गुरु गोविन्द सिंह ने परिवार सहित आनन्दपुर साहिब का किला छोड़ दिया।
- ♦ 22 दिसम्बर – अपने दोनों बड़े पुत्रों सहित चमकौर के मैदान में पहुँचे। गुरु साहिब की माता और दोनो छोटे पुत्रों को गंगू नामक ब्राह्मण (गुरु के घर का रसोइया) उन्हें अपने साथ अपने घर ले गया।
- ♦ 23 दिसम्बर – चमकौर की ऐतिहासिक जंग शुरु हुई। दुश्मनों से जूझते हुए बड़े साहबजादे अजीत सिंह का 17 वर्ष की आयु में और छोटे साहबजादे जुझार सिंह 14 वर्ष की आयु में अपने 11 साथियों के साथ लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।
- ♦ 23 दिसम्बर को गुरु साहिब की माता गुर्जर कौर और दोनों साहिबजादों को गंगू के द्वारा चोरी के अपराध की मुखबिरी के कारण गनी खान और मनी खान ने गिरफ्तार कर लिया।
- ♦ 24 दिसम्बर को तीनों को सरहिन्द पहुँचाकर ठंडे बुर्ज में नजरबन्द करवाया गया।
- ♦ 25-26 दिसम्बर को दोनों साहिबजादों को वजीर खान की अदालत में पेश किया गया जहाँ उन्हें धर्म परिवर्तन का लालच दिया गया।
- ♦ 27 दिसम्बर को साहिबजादा जोरावर सिंह 8 वर्ष और फतेह सिंह 6 वर्ष को तमाम जुल्म के बाद जिन्दा दीवार में चुनवा कर शहीद किया गया। खबर सुनते ही माता गुजरी देवी ने सांस त्याग दी।
- ♦ शहीदों की अकेली मिसाल जिस पर सिख धर्म की बुनियाद रखी गई।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्रोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

गुरु शिष्य संवाद

विवेकानन्द – मैं समय नहीं निकाल पाता जीवन आपाधापी से भर गया है।

रामकृष्ण परमहंस – गतिविधियाँ तुम्हें घेरे रखती है। लेकिन उत्पादकता आजाद करती है।

विवेकानन्द – आज जीवन इतना जटिल क्यों हो गया है।

रामकृष्ण परमहंस – जीवन का विश्लेषण करना बंद कर दो यह इसे जटिल बना देता है। जीवन को सिर्फ जियो।

विवेकानन्द – अच्छे लोग हमेशा दु:ख क्यों पाते हैं।

रामकृष्ण परमहंस – हीरा रगड़े जाने पर चमकता है। सोने को शुद्ध होने के लिए आग पर तपना पड़ता है। अच्छे लोग दुख नहीं पाते बल्कि परीक्षाओं से गुजरते हैं। इस अनुभव से उनका जीवन बेहतर होता है। बेकार नहीं होता।

विवेकानन्द – समस्याओं से घिरे होने के कारण हम जान नहीं पाते कि किधर जा रहे हैं।

रामकृष्ण परमहंस – अगर तुम अपने बाहर झांकोंगे तो जान नहीं पाओगे कि कहाँ जा रहे हो। अपने भीतर झांकों आँखे दृष्टि देती है। हृदय राह दिखाता है।

विवेकानन्द – क्या असफलता सही राह पर चलने से ज्यादा कष्टकारी है।

रामकृष्ण परमहंस – सफलता वह पैमाना है जो दूसरे लोग तय करते हैं। संतुष्टि का पैमाना तुम खुद तय करते हो।

विवेकानन्द – कठिन समय में कोई अपना उत्साह कैसे बनाए रख सकता है।

रामकृष्ण परमहंस – जब भी वे कष्ट में होते हैं तो पूछते हैं कि मैं ही क्यों जब वे खुशियों में डूबे रहते हैं तो कभी नहीं सोचते कि मैं ही क्यों।

COMMENTS ON AJMER CONFERENCE

CONGRATULATE! AJMER 2016

- It was a successful National Conference at Ajmer. I am delighted by hospitality, food and overall execution of conference. My compliment. - Girish Purnima Doshi - Satara
- Prof. Shiv Ranjan Puri of Batala says our delegates were very much excited to visit Ajmer Conference Kamal Meena. Rajesh Sakshi Snehlata were inspired by enthusiastic temperament of the organizers.

पश्चिम रीजन की ग्राम विकास योजना कार्यशाला

11 दिसम्बर, 2016 को अहमदाबाद में रीजन पश्चिम के राष्ट्रीय मंत्री वल्लभभाई रमानी की अध्यक्षता में ग्राम विकास योजना की कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में रीजन के सभी प्रान्तीय संयोजक, ग्राम विकास योजना आमंत्रित थे। प्रकल्प के राष्ट्रीय चेयरमैन अशोक जाधव कार्यशाला के विषय को विस्तार से बताते हुए मुख्यत: 1. ग्राम चयन की प्रक्रिया, 2. विकास कार्यों में ग्रामीणों की सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई, 3. विकास कार्यो। के रख रखाव में ग्रामीणों के सहयोग की अनिवार्यता, 4. शासकीय योजनाओं की जानकारी तथा, 5. उद्योगों/व्यवासयिक प्रतिष्ठानों के संदर्भ में सी.एस.आर. के अन्तर्गत सहयोग इन पाँच बिन्दुओं पर चर्चा की। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारपरक प्रशिक्षण, जल संरक्षण, जैविक कृषि तथा सामाजिक सद्‌भाव पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर दिलीप सोमेश्वर चान्द्रायण, भरत मोदी, गुणवन्तभाई सोनी, सागर मुरलीधर धुनाड़ शैलेश कुमार ठक्कड़ आदि रूप से उपस्थित रहे।

MOST ESSENTIAL TEN LETTER WORD

1.	Most selfish one letter word.	I - - - - - - - - - avoid it.
2.	Most satisfying two letter word.	We - - - - - - - - - use it.
3.	Most poisonous three letter word.	Ego- - - - - - - - - kill it.
4.	Most used four letter word.	Have - - - - - - - value it.
5.	Most pleasing five letter word.	Smile - - - - - - - keep it.
6.	Fastest spreading six letter word.	Gossip - - - - - - ignore it.
7.	Hardest working seven letter word.	Success - - - - - achieve it.
8.	Inevitable eight letter word.	Zealousy - - - - - distance it.
9.	Most powerful nine letter word.	Knowledge - - - acquire it.
10.	Most essential ten letter word.	Confidence - - - have it.

स्वामी जी के अमेरिका प्रवास की सफलता में महिलाओं का योगदान

जिन परिस्थितियों में स्वामी विवेकानन्द ने अमेरिका की यात्रा की थी वह अनुकूल कम असुविधायुक्त अधिक थी। न पर्याप्त धन, न मौसम अनुकूल वस्त्र, न किसी संस्था का परिचय पत्र और न सभा के सही समय का ज्ञान। ऐसी परिस्थितियों में स्वामी जी का कुछ अमेरिकी भद्र महिलाओं ने बड़ा सहयोग किया।

उनमें से प्रथम महिला थी कैट सैनवार्न। जून 1893 के अन्त में स्वामी विवेकानन्द शिकागो पहुँच गये। उन्हें पता लगा के धर्म सम्मेलन सितम्बर मास में होगा। सीमित धन में शिकागो जैसे महंगे शहर में रहना एक चुनौती थी। किसी के सुझाव पर उन्होंने एक सस्ते शहर वोस्टन में जाने का निश्चय किया। कैट सैनवार्न उसी ट्रेन में सहयात्री थी। एक युवा तेजस्वी सन्यासी, अग्रेजी भाषा की विशेषज्ञता को देखकर वार्तालाप के दोर में कौतूहल आश्चर्य में परिणित हो गया। सैनवार्न अंग्रेजी की लेखिका और व्याख्याता थी। एक सुसम्पन्न और प्रतिष्ठित महिला थी। वे आग्रहपूर्वक उन्हें घर ले गई। इससे सैनवार्न को एक योग्य व्यक्ति का सानिध्य मिला और स्वामी जी की जमा पूंजी का अभाव भी नहीं रहा।

यह धर्म सभा के पूर्वाभ्यास के लिए आवश्यक था। सैनवार्न कई संस्थाओं की संस्थापक तथा संचालक थी। वे उनके कार्यक्रम रखती मानो उन्हें एक अनमोल रत्न मिल गया हो। उस क्षेत्र में स्वामी जी के प्रवचन बड़ी श्रद्धा से सुने जाने लगे। सैनवार्न ने स्वामी जी की प्रतिभा को पहचान लिया था। उन्होंने अपने मित्र हार्वर्ड विश्व विद्यालय के प्रोफेसर जान राइट को बताया कि स्वामी विवेकानन्द एक अद्वितीय धर्म ज्ञाता है। जान राइट ने धर्म सभा के निदेशक को एक उत्साहपूर्ण पत्र में लिखा कि यहाँ के समस्त विद्वान मिलकर भी स्वामी जी की बराबरी नहीं कर सकतें इनसे परिचय मांगना मानो सूर्य से प्रकाश का प्रमाण पत्र मांगना है। स्वामी जी को विश्व मंच पर लाने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह कैट सैनवार्न है। सफलता का पहला द्वार इसी महिला ने खोला था।

–**प्रो. बेकटेश**, बेगूसराय

प्रत्यक्ष टिप्पणी नोट बन्दी पर–

अनिल अग्रवाल राजस्थान के प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। सहकारिता विभाग के प्रशासनिक कार्यो। की जिम्मेदारी है। विमुद्रीकरण के बाद शहर से 60 किलो मीटर दूर एक सहकारी बैंक में जाने का प्रसंग बनां साधारण वेषभूषा अधिकारी का कोई प्रोटोकोल नही। बैंक के ग्राहको की लम्बी लाइन में ही खड़े एक किसान से पूछा नोट बन्दी पर बहुत परेशानी हो गई है क्या?। किसान बोला म्हारे को काए की परेशानी, पहले भी नाई था अब भी नाई है, रोज मजूरी रोज खाय। परेशानी तो उनको हो गई जिनके बोरों में नोट भरे थे। सब बेकार हो गये।

श्रद्धांजलि

1. **द्रोण, उत्तराखण्ड पश्चिम :** शाखा के वरिष्ठ सदस्य डॉ. आर.एन. सिंह का आकस्मिक निधन इलाहाबाद में हो गया।
2. **क्लेमेन्ट टाउन :** शाखा सदस्य श्री एल.सी. शम्रा की पत्नी श्रीमती सविता शर्मा का 25 नवम्बर, 2016 को निधन हो गया।
3. **गुरसहाय, ब्रह्मावर्त :** शाखा के सरंक्षक पुष्पेन्द्र अग्रवाल की चाची का 15 अक्टूबर, 2016 को निधन हो गया।
4. **कन्नौज :** शाखा सदस्य श्री राजकुमार वर्मा की पत्नी का 11 नवम्बर, 2016 को आकस्मिक निधन हो गया।
5. **पंचकुला, हरियाणा उत्तर :** सुश्री सुशीला पंडित के अग्रज मनमोहन नाथ शर्मा (प्रथम भारतीय आर्किटैक्ट) का 30 अक्टूबर, 2016 को 93 वर्ष की आयु में व वरिष्ठ सदस्य अशोक गर्ग का 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
6. **मुजफ्फरनगर समृद्धि, हस्तिनापुर :** शाखा के श्री पुरुषोत्तम दास गोयल जी का 16 सितम्बर, श्री संजय अग्रवाल के पूज्य पिता श्री रतनलाल सिंहल का 30 अक्टूबर एवं श्री राजेन्द्र गोयल जी का 1 नवम्बर, 2016 को निधन हो गया।
7. **इन्द्रगढ़ कापरेन, राजस्थान दक्षिण पूर्व :** शाखा के पूर्व सचिव ऋषि कुमार टेलर के पिता श्री मांगेलाल टेलर का 29 अक्टूबर, 2016 को निधन हो गया।
8. **राजस्थान दक्षिण :** प्रान्तीय महासचिव श्री कमल जैन के छोटे दादा जी का निधन हो गया।
9. **दिल्ली पूर्व :** प्रान्तीय अध्यक्ष श्रीमती शारदा जैन की पूज्य माता जी श्रीमती किरन माला जैन 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
10. **आजमगढ़, काशी प्रदेश :** शाखा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्त के पुत्र श्री राजीव कुमार श्रीवास्तव (आर्किटेक) का 3 नवम्बर, 2016 को निधन हो गया।
11. **दिल्ली :** केन्द्रीय कार्यालय के प्रबन्धक रमेश तिवारी जी की पूज्य माता जी का 1 जनवरी, 2017 को निर्धन हो गया।
12. **Kolkata, West Bengal :** Shri Om Prakash Bilotia, father of Shri Rajiv Kumar Bilotia, Secretary of branch passed away on 18th July, 2016 at the age of 76.
13. **Karimganj, Assam** : Ketaki Ranjan Dey father of Kaushik Ranjan Dey expired at the age of 93.
14. **Dr. Kitchlu-Ludhiana, Punjab West :** Er. B.K.Bhalla's younger brother Shri Vinod Bhalla passed away on 22nd Oct., 2016.
15. **Dr. Kitchlu-Ludhiana, Punjab West :** Dr. D.S. Rana branch senior member expired on 16 Dec., 2016
16. **Kerala :** Smt. T.K.Saraswati Kunjamma (66) W/o K.P. Harihara Kumar of Kerala expired following a brief illness.
17. **Janakpuri C-2, Delhi West, :** Branch member Smt. Sudha Anand, Dr. B.S.Misra and mother of founder member Shri P. K. Aggarwal passed away.

देहदान व नेत्रदान

सतना (विन्ध्य प्रान्त) श्री अयोध्या प्रसाद द्विवेदी के मरणोंपरान्त उत्तम बनर्जी व राहुल जैन के प्रेरक से नेत्रदान कराया गया।

मेरठ (हस्तिनापुर) प्रकाश बंसल पुत्र जुगुल किशोर का मरणोंपरान्त प्रेरक राजेन्द्र गुप्ता (विकास रत्न) के प्रेरक से मेरठ मेडिकल कॉलेज को नेत्रदान कराया गया।